आश्विन शुक्ल पक्ष द्वादशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 91 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
04 अक्टूबर 2025 शनिवार

आज का मौसम
31 अधिकतम
22 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

बिहार में चुनाव से पहले 62 हजार करोड़ की योजनाओं की शुरुआत

युवाओं के लिए फटा सौगातों का छप्पर

- पांच लाख बेराजगार नौजवानों को हर महीने एक हजार रुपए भत्ता
- नया स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड मिलेगा पीएम सेतु योजना से जुड़े आईटीआई

पटना/नईदिल्ली, एजेंसी

बिहार में चुनावों की घोषणा के पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज तोहफों की झड़ी लगा दी। ये सारे तोहफे नौजवानों और छात्रों को दिए जाएंगे। ग्रेजुएट बेरोजगार नौजवानों को मुख्यमंत्री स्वयं सहायता भत्ता योजना के तहत लगभग पांच लाख ग्रेजुएट नौजवानों को 2 साल तक 1,000 रुपये का हर महीने भत्ता और मुफ्त कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। मोदी ने आज युवाओं पर केंद्रित लगभग 62 हजार करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं का शुभारंभ किया। योजना के तहत 1000 सरकारी आईटीआई को 'हब-एंड-स्पोक मॉडल' में अपग्रेड किया जाएगा। पीएम ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) के टॉपर्स को सम्मानित किया। भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के नाम पर एक नई यूनिवर्सिटी शुरू की गई है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना निशाना साधते हुए कहा कि कर्पूरी ठाकुर को जननायक सोशल मीडिया की ट्रोल करने वाले टीम ने नहीं बनाया। उन्हें जननायक बिहार के लोगों ने उनका जीवन देखकर बनाया।

कर्पूरी को एक और सम्मान

कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय का भी उद्घाटन हुआ जिसका उद्देश्य ग्लोबल लेवल पर नौजवानों को तैयार करने के लिए इंडस्ट्रियल और कॉरपोरेट (बिजनेस) एजुकेशन दिलाना है। उच्च शिक्षा के अवसरों को बेहतर बनाने के दृष्टिकोण के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को आगे बढ़ाते हुए, प्रधानमंत्री ने बिहार के चार यूनिवर्सिटी -पटना, भूपेंद्र नारायण मंडल, छपरा में जय प्रकाश और पटना में नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी में नई शैक्षणिक और अनुसंधान सुविधाओं की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री बिहार सरकार में 4,000 से अधिक नवनियुक्त उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। सीएम बालक बालिका छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत कक्षा 9 और 10 के 25 लाख विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से 450 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति जारी की गई।

स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, 4 लाख तक ब्याज मुक्त लोन

पीएम ने नए सिरे से डिजाइन किए गए बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का भी शुभारंभ किया जिसके तहत 4 लाख रुपये तक के कर्ज पूरी तरह से इंटरेस्ट फ्री यानी बिना ब्याज के होंगे। बिहार में इस एजुकेशन लोन से हायर एजुकेशन पर असर पड़ेगा। इस योजना के तहत 3.92 लाख से ज्यादा छात्र पहले ही 7,880 करोड़ रुपये से ज्यादा रुपयों का कर्ज के रूप में फायदा ले चुके हैं।

27 हजार से ज्यादा छात्रों को फायदा

कुल 160 करोड़ रुपये के आवंटन वाली इन परियोजनाओं से आधुनिक शैक्षणिक अवसंरचना, उन्नत प्रयोगशालाएं, छात्रावास और मल्टी सब्जेक्ट टीचिंग मॉड्यूल उपलब्ध कराकर 27 हज़ार से अधिक छात्रों को लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री ने एनआईटी पटना के बिहटा परिसर को राष्ट्र को समर्पित किया। 6,500 छात्रों की क्षमता वाले इस परिसर में हाईटेक सुविधाएं मौजूद हैं, जिनमें एक 5 फीसदी यूज केस लैब, इसरो के सहयोग से स्थापित एक क्षेत्रीय अंतरिक्ष शैक्षणिक केंद्र और एक नवाचार और इनक्यूबेशन केंद्र शामिल है, जो पहले ही नौ स्टार्ट-अप्स को सहायता प्रदान कर चुका है।

युवा आयोग की शुरुआत

युवाओं को और मजबूत करने के लिए बिहार युवा आयोग की शुरुआत की गई जो 18 से 45 वर्ष की आयु के लोगों के लिए है। इसका उद्देश्य राज्य की युवा आबादी की ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करना है। इसके जरिए सरकार को युवाओं की दिक्कतें समझने में भी आसानी होगी।

बिहार में चुनाव आयोग की मीटिंग बीजेपी ने की दो चरण में चुनाव की मांग

चुनाव आयोग बिहार चुनाव की तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगा हुआ है। आयोग ने आज पटना के ताज होटल में सभी राजनीतिक दलों के साथ बैठक की। इस बैठक में बीजेपी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से बिहार में दो फेज में चुनाव कराने की मांग की। बिहार बीजेपी ने चुनाव की घोषणा के 28 दिन बाद चुनाव कराने की मांग की है। चुनाव आयोग की इस बैठक के बाद लगभग ये तय माना जा रहा है कि आने वाले एक हफ्ते के भीतर चुनाव आयोग तारीखों का ऐलान कर सकता है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि अति पिछड़ा समाज वाले गांवों में पैरामिलिट्री फोर्स को तैनात किया जाए। यह भी तय किया जाए कि वोटर पर्ची मतदाता तक समय से पहुंच जाए।

गाजा पर कब्जा छोड़ेगा, रिहा होंगे बंधक

ट्रंप की धमकी का असर सीजफायर पर राजी हमास

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की धमकी के 6 घंटे बाद हमास गाजा में सीजफायर को तैयार हो गया है। हमास ने शुक्रवार देर रात ऐलान किया कि वह ट्रम्प के प्लान में बताए गए फॉर्मूले के मुताबिक सभी जिंदा और मुर्दा बंदियों को रिहा करने को तैयार है। साथ ही गाजा का प्रशासन छोड़ने को भी तैयार है। हमास ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प की इस हफ्ते पेश की गई 20 पॉइंट की पीस डील के कुछ हिस्सों पर बातचीत जरूरी है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक हमास की तरफ से जो जवाब आया है, उसमें हथियार छोड़ने का जिक्र नहीं है। हमास के ऐलान के बाद ट्रम्प ने इजराइल को तुरंत गाजा में हमले करना बंद करने को कहा है। वहीं, इजराइल ने कहा कि वह ट्रम्प के गाजा प्लान पर काम करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के ऑफिस ने बयान जारी कर रहा कि इजराइल ट्रम्प के प्लान के पहले चरण को लागू करने के लिए तैयार है। इसके लिए वे ट्रम्प और उनकी टीम के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि जंग खत्म हो।

हथियार छोड़ने पर पेंच

हमास के पोलित ब्यूरो मेंबर मूसा अबू मरजुक ने अल जजीरा से कहा कि जब तक गाजा पर इजराइली कब्जा खत्म नहीं हो जाता वह हथियार नहीं छोड़ेगा। उन्होंने कहा कि हथियार के मुद्दे पर एक बार फिर से बातचीत होनी चाहिए। हमास ने कहा कि वह गाजा का प्रशासन किसी फिलिस्तीनी समूह को सौंपने को तैयार है। इसका गठन फिलिस्तीन लोगों की सहमति और अरब-इस्लामिक देशों के समर्थन से किया जाएगा।

मोदी ने ट्रंप की तारीफ की

प्रधानमंत्री मोदी ने हमास और इजराइल के बीच शांति प्रयासों को लेकर ट्रंप के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि हम गाजा में शांति प्रयासों के निर्णायक प्रगति के रूप में राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि हमास द्वारा बंधकों की रिहाई के संकेत एक महत्वपूर्ण कदम हैं। भारत हमेशा स्थायी और न्यायपूर्ण शांति के प्रयासों का समर्थन करेगा।

48 में से 20 बंधक जिन्दा

हमास सभी 48 बंधकों को रिहा करने के लिए तैयार है। इनमें से 20 के जिंदा होने का दावा किया जाता है। बंधक सीजफायर लागू होने के 72 घंटे के भीतर रिहा किए जाएंगे और बदले में 2,000 से ज्यादा फिलिस्तीनी सुरक्षा कैदियों और मारे गए गाजावासियों के शव लौटाए जाएंगे। इसके बाद इजराइल गाजा से अपनी वापसी का पहला फेज पूरा करेगा। हमास के ऐलान के बाद ट्रम्प ने वीडियो जारी कर इस दिन को बहुत खास बताया है।

न्यूज विंडो

इस बार ऐसा जवाब देंगे कि पाक का अस्तित्व खत्म हो जाएगा : आर्मी चीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बीकानेर मिलिट्री स्टेशन सहित सीमावर्ती इलाकों का दौरा किया। यहां उन्होंने सैनिकों की तत्परता की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान को सख्त चेतावनी दी कि ऑपरेशन सिंदूर में दिखाया गया संयम अब दोहराया नहीं जाएगा।

जनरल द्विवेदी ने कहा कि इस बार हम कुछ ऐसा करेंगे कि पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा कि क्या वह नक्शे में बने रहना चाहता है या नहीं। अगर पाकिस्तान नक्शे में बने रहना चाहता है, तो उसे राज्य प्रायोजित आतंकवाद बंद करना होगा। यह बयान राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा संदेश है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी बीकानेर पहुंचे तो सबसे पहले फॉरवर्ड एरिया का दौरा किया। यहां उन्होंने सैनिकों की ऑपरेशनल रेडीनेस चेक की। रेगिस्तानी और अर्ध-रेगिस्तानी इलाके में काम करने वाले सैनिकों की मुश्किलें जानकर वे प्रभावित हुए।

भारी बारिश से सासाराम में बाढ़ जैसे हालात

पटना, एजेंसी। डेहरी अनुमंडल क्षेत्र में लगातार बारिश से कैमूर पहाड़ी की नदियां उफान पर हैं, जिससे मैदानी इलाकों के कई गांव जलमग्न हो गए हैं। जमुहार स्थित नारायण मेडिकल कॉलेज और गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय में पानी भर गया है। तिलौथू प्रखंड के कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात हैं और कच्चे मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इस स्थिति से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। अत्यधिक बारिश के कारण जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है जिससे बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। काव नदी में भारी मात्रा में पानी आने से जमुहार स्थित नारायण मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में जलजमाव से मरीज परेशान है। गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय में चार फीट पानी जमा हो गया है। प्रखंड के जमुहार, महादेवा पंचायत के दर्जनों गांव में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है।

9 बच्चों की जान लेने वाले जहरीले कफ सिरप पर अब प्रदेश में बैन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

तमिलनाडु के बाद मध्यप्रदेश में भी कोल्ड्रिफ और नेक्स्ट्रो-डीएस कफ सिरप को बैन कर दिया गया है। इन्हीं सिरप की वजह से छिंदवाड़ा में 9 बच्चों की किडनी फेल होने से मौत हुई है। सीएम मोहन यादव ने एक्स पर पोस्ट कर ये जानकारी दी। स्थानीय डॉक्टर की सलाह पर बच्चों को कोल्ड्रिफ और नेक्स्ट्रो-डीएस कफ सिरप देने की बात सामने आई थी। बच्चों की मौत के बाद जांच के लिए तीन टीमें बनाई गई हैं। इस सिरप की बिक्री को पूरे मध्यप्रदेश में बैन कर दिया है। सिरप को बनाने वाली कंपनी के अन्य प्रोडक्ट की बिक्री पर भी बैन लगाया जा रहा है।

सिरप बनाने वाली फैक्ट्री कांचीपुरम में है। इसलिए घटना के संज्ञान में आने के बाद राज्य सरकार ने तमिलनाडु सरकार को जांच के लिए कहा था। आज सुबह जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई। रिपोर्ट के आधार पर कड़ा एक्शन लिया गया है।

चौंकाने वाली बात यह है कि साल 2023 में डायरेक्टर जनरल ऑफ हेल्थ सर्विस ने सभी राज्यों को पत्र भेजकर बताया था कि इस फॉर्मूले की दवा 4 साल से कम उम्र के बच्चों को नहीं दिया जाना चाहिए। इसके बावजूद छिंदवाड़ा के डॉक्टरों द्वारा यह दवा लिखी गई। जिन 9 मासूमों की मौत हुई है, उनमें से 7 की उम्र 4 साल या उससे कम है, जबकि 2 अन्य बच्चे भी 5 साल के ही है। खुलासा हुआ है कि जो सिरप सप्लाई की गई थी, उन्हें जबलपुर से भेजा गया था। हालात की गंभीरता को देखते हुए जबलपुर कलेक्टर ने पहले ही सिरप पर बैन लगा दिया था। छिंदवाड़ा में सन फार्मा कंपनी के मैनेजर की डिमांड पर महाकौशल डीलर कटारिया फार्मास्यूटिकल से इस कफ सिरप की सप्लाई होती थी। खास बात यह है कि कोल्ड्रिफ सिरप के लिए पूरे महाकौशल में से सिर्फ छिंदवाड़ा से ही डिमांड आती थी।

सांस लेने में थी दिक्कत, इसके बावजूद पानी में भेजा

साथी का दावा- जुबीन को जहर दिया

नईदिल्ली, एजेंसी

सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में गिरफ्तार उनके बैंडमेट (साथी सिंगर) शेखर ज्योति गोस्वामी ने अपने बयान में चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। शेखर ने दावा किया है कि सिंगर के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और इवेंट ऑर्गेनाइजर श्यामकनु महंत ने उन्हें जहर दिया था। दोनों ने हत्या को हादसा दिखाने की साजिश रची थी। शेखर जुबीन गर्ग की मौत के समय उनके साथ सिंगापुर में था। उसने पुलिस को बताया कि मैनेजर शर्मा पैन पैसिफिक होटल में उसके साथ रह रहा था और जुबीन की मौत से पहले उसका व्यवहार अजीबोगरीब था। शेखर ने बताया मैनेजर शर्मा ने समुद्र के बीचोंबीच याट (नाव) के चालक को हटाकर उसका कंट्रोल अपने हाथों में लिया। जुबीन समुद्र में जाने के बाद हांफ रहे थे। उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। इसके बावजूद शर्मा कह रहा था- जाबो दे, जाबो दे (उसे जाने दो, उसे जाने दो)। जुबीन गर्ग का निधन सिंगापुर में 19 सितंबर को हुआ था। सिंगर 20 सितंबर को होने वाले नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के लिए सिंगापुर गए हुए थे, जहां उन्होंने वाटर एडवेंचर एक्टिविटी में हिस्सा लिया था। दावा किया गया कि उनकी मौत स्कूबा डाइविंग के दौरान एक हादसे में हुई। शेखर ने कहा कि जुबीन ट्रेन्ड स्विमर था। उसने मुझे और शर्मा को भी तैरना सिखाया था, इसलिए उनकी मौत डूबने से नहीं हो सकती। शर्मा और महंत दोनों ने सिंगर को जहर दिया और साजिश छुपाने के लिए सिंगापुर को चुना। शर्मा ने मुझे याट के किसी भी वीडियो को किसी के साथ शेयर न करने के लिए कहा था।

मेट्रो एंकर

भारत में निर्मित सामान की बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की उम्मीद

फेस्टिव सीजन में बाजार गदगद... इस बार चीन गायब, वोकल फॉर लोकल का दम

नईदिल्ली, एजेंसी

दिवाली फेस्टिव सीजन चल रहा है और व्यापारी भी पूरी तरह तैयार हैं। इस बार दिवाली की बिक्री 4.75 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। यह एक नया रिकॉर्ड होगा। इस बिक्री में मुख्य रूप से भारत में निर्मित सामान शामिल होंगे। अखिल भारतीय व्यापारी संघ के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल के आह्वान और जीएसटी दरों में कटौती के कारण यह तेजी आई है। चीनी सामानों को बाजार से बाहर कर दिया गया है। भारतीय उत्पाद अब बाजारों पर छा गए हैं। यह स्वदेशी व्यापार की एक नई पहचान बन गई है। पिछले चार सालों में दिवाली की बिक्री में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है।

स्वदेशी चीजों को तरजीह

यह आंकड़ा साफ दिखाता है कि लोग अब स्वदेशी चीजों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं। मेड इन इंडिया उत्पादों को खरीदने का चलन बढ़ रहा है। ग्राहकों के व्यवहार में यह बड़ा बदलाव है। अकेले दिल्ली में ही इस बार रिकॉर्ड बिक्री होने की उम्मीद है। एक सर्वे के अनुसार, इस साल की बिक्री में तेजी के दो मुख्य कारण हैं। पहला कारण स्वदेशी के लिए आह्वान है। वोकल फॉर लोकल-लोकल फॉर ग्लोबल का विचार लोगों को बहुत पसंद आया है। दूसरा कारण हाल ही में जीएसटी दर में की गई बड़ी कटौती है। यह कटौती व्यापारियों और ग्राहकों दोनों के लिए त्योहारी उपहार जैसी है। इससे सभी तरह के उत्पादों की बिक्री में बहुत बढ़ोतरी हुई है। अखिल भारतीय व्यापारी संघ एक राष्ट्रीय अभियान चला रहा है। इसका नाम है भारतीय सामान-हमारा स्वाभिमान। इस अभियान के तहत इस दिवाली को अपनी दिवाली-भारतीय दिवाली के रूप में मनाया जाएगा। इस साल भारतीय बाजार इतिहास की सबसे बड़ी दिवाली बिक्री देखेंगे। यह सब स्वदेशी वस्तुओं के दम पर होगा।

चीन के सामान से बन रही दूरी

हमेशा की तरह इस साल भी त्योहारों का सिलसिला नवरात्र से शुरू हुआ है। यह आगे भी जारी रहेगा। इसमें धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दिवाली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज जैसे त्योहार शामिल हैं। इसके बाद छठ पूजा और तुलसी विवाह तक यह सिलसिला चलेगा। चीनी सामानों को अब लोग नकार रहे हैं। इस दिवाली पर चीनी उत्पाद बाजार से लगभग गायब हैं। आयातकों ने चीन से दिवाली से जुड़े सामान लाना पूरी तरह से बंद कर दिया है। ग्राहक अब अलग-अलग तरह की भारतीय निर्मित वस्तुओं को खरीदने में बहुत रुचि दिखा रहे हैं। इसमें मिट्टी के दीये, मूर्तियां, दीवार पर लटकाने वाली चीजें, हस्तशिल्प, पूजा का सामान और घर सजाने का सामान शामिल है। इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली का सामान, निर्माण हार्डवेयर, ऑटोमोबाइल, कपड़ा और टेपेस्ट्री, कपड़े, फर्नीचर, खिलौने, मिठाइयां, व्यक्तिगत देखभाल की चीजें, रसोई के बर्तन और अन्य बर्तन भी खूब बिक रहे हैं। लगभग हर क्षेत्र में बंपर बिक्री होने की उम्मीद है।

देर रात तक हुआ प्रतिमाओं का विसर्जन

भोपाल। पूरे शहर में दशहरा पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जगह-जगह रावण, मेघनाद और कुंभकरण के पुतलों का दहन किया गया। वहीं मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ देर रात तक चलता रहा। विसर्जन घाटों पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़े और भक्तिमय माहौल में जय माता दी के जयकारे गूंज उठे। महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में शोभायात्राओं के साथ जवारे निकाले, जो आकर्षण का केंद्र बने। शहर की सड़कों पर माता रानी की भव्य झांकियां सजाई गईं, जिन्हें देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी। विसर्जन के दौरान डीजे, ढोल-ढमाकों और भक्ति गीतों की धुनों पर श्रद्धालु नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे।

आइसर और निटर मिलकर तैयार कर रहे टेक्नोलॉजी रेडी डिवाइसेज

युवाओं को मिलेगा रोजगार, बढ़ेगा कौशल

अब सिर्फ 50 लाख रुपए में बनेगी सेमीकंडक्टर मशीनें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भारत सरकार के सेमीकंडक्टर मिशन के तहत गुजरात, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, पंजाब, असम और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में चिप निर्माण इकाइयों की स्थापना की जा रही है। इसके तहत करीब देश के 85,000 युवाओं को सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। देशभर में कोर्स भी चल रहे हैं। इससे युवाओं को न केवल रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, बल्कि देश को उच्च तकनीक और सस्ती इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस भी सुलभ होंगी।

इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के दाम कम होंगे

आइसर के निदेशक प्रो. गोबर्धन दास के अनुसार इस पहल से शोध और विकास को गति मिलेगी। अकादमिक संस्थानों और उद्योग के बीच की दूरी घटेगी, जिससे इनोवेशन सीधे बाजार तक पहुंचेगा। इससे आम लोगों को बेहतर तकनीक, सस्ती इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इस प्रोजेक्ट पर कम कर रहे अभिषेक कुमार ने बताया कि कम कीमत के चलते ये मशीनें आम लोगों तक सुलभ हो सकेंगी।

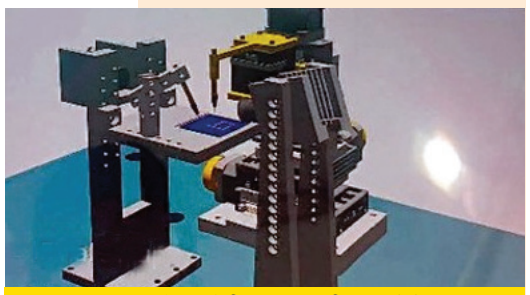

आइसर द्वारा तैयार सेमीकंडक्टर मशीन का प्रोटोटाइप।

अब पैकेजिंग पर भी दिया जा रहा है विशेष ध्यान

निटर के निदेशक प्रो. सीसी त्रिपाठी ने बताया कि सेमीकंडक्टर डिवाइसेज की केवल डिजाइन या रिसर्च तक सीमित रहने के बजाए अब पैकेजिंग पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा अभी तक विश्वविद्यालयों में डिवाइस डिजाइन पर रिसर्च होती थी, लेकिन पैकेजिंग के अभाव में ये तकनीकें कमर्शियल नहीं हो पाती थीं। अब हम टेक्नोलॉजी रेडी डिवाइसेज तैयार कर रहे हैं, जो 6-7 लेयर पैकेजिंग तक जाएंगी, जिससे उनका औद्योगिक उपयोग संभव होगा।

मौसम का अक्टूबर में रहेगा मिलाजुला असर, अभी हल्की बारिश के आसार

उमस करेगी बेहाल, माह के आखिरी हफ्ते में हो सकेगा ठंडक का अहसास

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मानसून सीजन समाप्त हो गया है लेकिन अभी मानसून की विदाई नहीं हुई है। अभी बंगाल की खाड़ी की ओर सिस्टम सक्रिय है, इसलिए पहले सप्ताह में अगले दो तीन दिन बादल, बौछारों की संभावना है। ऐसे में अक्टूबर माह में मौसम का मिजाजुला असर देखने को मिलेगा। तेज धूप, उमस भी बेहाल कर सकती है, वहीं बीच-बीच में शहर के अलग-अलग हिस्सों में बौछारें पड़ सकती है।

पिछले दस सालों में आठ बार भीगा है अक्टूबर: मानसूनी सीजन भले ही सितंबर में समाप्त हो जाता है लेकिन अक्टूबर में भी बारिश का दौर जारी रहता है। पिछले दस सालों में आठ बार अक्टूबर माह भीगा है। सिर्फ 2023 और 2017 में अक्टूबर में बारिश नहीं हुई थी, जबकि आठ साल बारिश हुई है। 2022 में सबसे अधिक 136.7 मिमी बारिश पूरे माह में हुई थी, जबकि सर्वाधिक मासिक वर्षा का रिकार्ड 1955 का है। जिसमें पूरे माह में 188.2 मिमी बारिश हुई थी।

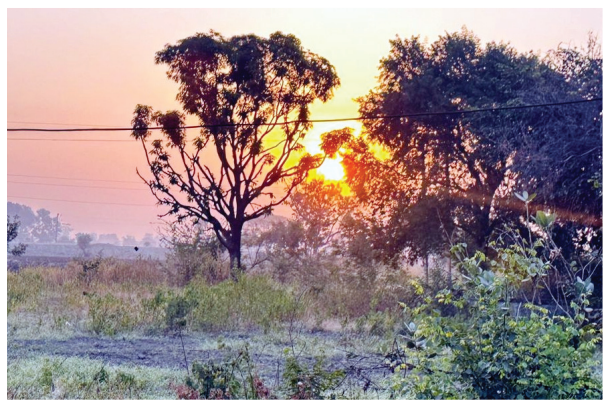

डेढ़ डिग्री बढ़ा पारा, उमस ने किया बेहाल: राजधानी में शनिवार को भी धूप छांव की स्थिति रही। इस दौरान शहर में अधिकतम तापमान में फिर डेढ़ डिग्री की बढ़ोतरी हो गई। शनिवार को शहर का अधिकतम तापमान 31.9 और न्यूनतम 22.4 डिग्री दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान में 1.5 डिग्री की बढ़ोतरी हुई। आने वाले दिनों में मौसम इसी तरह रह सकता है। दोपहर बाद कुछ हिस्सों में गरज चमक के साथ बौछारे पड़ सकती है।

अक्टूबर में ऐसा रह सकता है मौसम का मिजाज

अक्टूबर माह मौसम का संक्रमण काल कहलाता है, इसलिए इस माह में मौसम मिला जुला रहने की संभावना है। विंड पैटर्न में बार-बार बदलाव होगा। ऐसे में पूरे माह तापमान का उतार चढ़ाव बना रहेगा। ऐसे में सेहत के प्रति सावधानी बरतने की ज्यादा जरूरत होती है। क्योंकि यह मौसम का संक्रमणकाल होता है।

सांसों पर संकट, त्योहार के मौके पर हवा में बढ़ी एक्यूआइ

त्योहारी सीजन में शहर के सामने नई चुनौती है। हम जिस हवा में सांस ले रहे हैं उसमें ओजोन की मात्रा गई है। पिछले एक हफ्ते में इसका स्तर बढ़ा है। यह स्तर पीएम 10 पीएम 2.5 के मुकाबले हवा में 20 से पचास प्रतिशत तक अधिक है। सांस के बीमारों के लिए यह गंभीर खतरा है। ये हालात उस समय हैं जब शहर में दो सालों में करीब 15 लाख पौधे लगाए गए। राजधानी में हवा की गुणवत्ता की जांच के लिए शहर में तीन स्थानों पर रियल टाइम मॉनीटरिंग हो रही है। बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पर्यावरण परिसर में एयरक्वालिटी इंडेक्स 53 मापा गया। इसमें ओजोन की मात्रा 53.40 प्रतिशत रही है। वहीं पीएम 2.5 और पीएम 10 इससे कम मिला। यही हाल टीटी नगर में मिले। यहां एक्यूआई 56 रहा। यहां भी ओजोन की मात्रा ज्यादा मिली। इसमें 56.32 प्रतिशत था। कलेक्ट्रेट परिसर की जांच मशीन से रिपोर्ट जारी नहीं हुई।

माशिमं: डीएलएड प्रथम, द्वितीय वर्ष की परीक्षा के आवेदन 19 अक्टूबर तक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा द्वारा संचालित सत्र 2025 की प्रारंभिक शिक्षा में पत्रोपाधि पाठ्यक्रम (डीएलएड) प्रथम, द्वितीय वर्ष (द्वितीय अवसर) परीक्षा वर्ष 2025 के ऑनलाइन आवेदन शुरू कर दिए गए हैं। यह ऑनलाईन आवेदन 19 अक्टूबर 2025 तक सामान्य शुल्क के साथ भरे जा सकेंगे। 20 अक्टूबर 2025 से 26 अक्टूबर 2025 तक लेट फीस 500 के साथ भरे जाएंगे। एमपी ऑनलाइन की सेवा केंद्र संचालक को 25 रूपए पृथक से देय होगा। वर्ष 2025 की मुख्य परीक्षा में प्रथम, द्वितीय वर्ष की परीक्षा में प्रथम बार परीक्षा में सम्मिलित हुए, छात्रों को द्वितीय अवसर की परीक्षा में अनुत्तीर्ण / अनुपस्थित किसी भी भाग में रहे छात्र केवल सत्र 2024-25 में प्रथम वर्ष में प्रवेशित (पंजीकृत) छात्र जिन्होने प्रथम अवसर (मुख्य परीक्षा) में परीक्षा आवेदन नहीं भरा हैं, द्वितीय अवसर परीक्षा में सम्मिलित होने के पात्र होंगे। परीक्षा कार्यक्रम पृथक से घोषित किया

नर्सिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए 7 अक्टूबर तक होगी च्वॉइस फिलिंग

अब तक 17,735 सीटों पर ही पंजीयन, रह सकती है हजारों सीटें खाली

मप्र नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल (एमपीएनआरसी) द्वारा प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए मेरिट लिस्ट घोषित करने के साथ ही च्वॉइस फिलिंग की प्रक्रिया जारी है। इसके तहत विद्यार्थी 7 अक्टूबर तक अपनी च्वॉइस लॉक कर पाएंगे। प्रथम चरण की सीट आवंटन प्रक्रिया 13 अक्टूबर तक पूरी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में बीएससी, जीएनएम, एमएससी और पोस्ट बीएससी नर्सिंग मिलाकर कुल 28,560 सीटें हैं। लेकिन सिर्फ 17,735 सीटों पर ही पंजीयन हुआ है। बीएससी और जीएनएम की 23,174 सीटों पर 14,722 रजिस्ट्रेशन हुए हैं। पोस्ट बीएससी की 3,610 सीटों पर 1,539 और एमएससी की 1,776 सीटों पर केवल 1,474 रजिस्ट्रेशन हुए हैं। ऐसे में इस सत्र में भी बड़ी संख्या में सीटें खाली रह सकती हैं।

कार्रवाई बेअसर: न्यू मार्केट, चौक और 10 नंबर मार्केट के फुटपाथ पर दुकानदारों का कब्जा

भोपाल। राजधानी के तीन प्रमुख बाजारों न्यू मार्केट, चौक बाजार और 10 नंबर मार्केट में अतिक्रमण इस कदर हावी है कि नगर निगम की लगातार कार्रवाई भी बेअसर साबित हो रही है। ये बाजार अब अतिक्रमण के 'हॉट स्पॉट' बन चुके हैं, जहां फुटपाथ से लेकर सड़क के बड़े हिस्से तक दुकानदारों ने कब्जा जमा लिया है। दुकानदारों ने सामान को डिस्प्ले करने के नाम पर फुटपाथ पर कब्जा कर रखा है। वहीं, सब्जी, फल और अन्य सामान बेचने वाले ठेले सड़क पर खड़े होकर ट्रैफिक को बाधित कर रहे हैं। नतीजतन, इन बाजारों में पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। नगर निगम का अतिक्रमण निरोधी दस्ता इन क्षेत्रों में कार्रवाई करता है और जुर्माना भी लगाता है। लेकिन निगम की टीम के जाते ही अतिक्रमणकारी फिर कब्जा कर लेते हैं। ग्राहकों का कहना है कि निगम को स्थायी कार्रवाई करना चाहिए। जिसमें सामान की लंबी अवधि की जब्ती या लाइसेंस रद्द करने जैसे सत प्रावधान शामिल हों, तभी इन मार्केटों से अतिक्रमण मुक्त किया जा सकेगा।

गांव के स्स्र2ल की क्लास भी हुई स्मार्ट, अब प्रयोगशाला में प्रयोग करेंगे बच्चे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

छप्पर वाला भवन और टूटी फूटी सड़क, टाटपट्टी पर बैठ कर पढ़ाई। सरकारी स्कूल का नाम लेते ही सामने आने वाली यह तस्वीर अब बदल रही है। शुरुआत राजधानी से हुई है। अरवलिया क्षेत्र के स्कूल में बच्चे स्मार्ट क्लास में पढ़ेंगे। साइंस के फार्मूला समझने यहां लैब तैयार हुई है। जिले में 836 स्कूल हैं। इनमें से पांच सौ से ज्यादा शहरी क्षेत्र में है। इनमें पढ़ाई के स्तर को सुधारने के लिए स्मार्ट क्लासेस से लेकर नए भवन तैयार हुए। बच्चों की लैब की सुविधा भी मिल चुकी है। यह बदलाव अब ग्रामीण में शुरू हो चुका है। राजधानी से करीब बीस किमी दूर अरवलिया के मिडिल स्कूल में स्मार्ट क्लास खोली जा रही है। स्मार्ट बोर्ड और कप्यूटर की सुविधा होगी। यह स्कूल कक्षा एक से आठ तक है। प्रायमरी के बच्चों में पढ़ाई का स्तर सुधारा जाएगा। इस तरह की स्मार्ट क्लास राजधानी के बाकी स्कूलों में भी होगी।

अभी सबसे ज्यादा सांदीपनि में सुविधाएं

राजधानी में आठ सांदीपनी स्कूल हैं। दूसरे सरकारी स्कूलों के मुकाबले इनमें सुविधाएं अधिक हैं। भवन पर करीब तीन सौ करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। बाकी में सुविधाओं की कमी है। इसका खामियाजा स्टूडेंट को भुगतना पड़ रहा है। अरवलिया के स्कूल में स्मार्ट क्लासेस शुरू होने के दौरान स्थानीय विधायक विष्णु खत्री और जिला पंचायत सदस्यों की भागीदारी रही। ग्रामीण क्षेत्र के दूसरे स्कूलों में सुधार के लिए इसके आधार पर काम होना है। अभिभावकों को भी इसमें साथ लिया जाएगा।

मेट्रो एंकर

दुष्यंत संग्रहालय में काव्य गोष्ठी का आयोजन

आस्तीन से झांकता हो फन तो कोई क्या करें...

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आस्तीन से झांकता हो कोई फन तो क्या करें, दोस्त ही बन जाए दुश्मन तो कोई क्या करे। यह पंक्तियां दिल्ली से आए वरिष्ठ कवि साहित्यकार रेल अधिकारी डॉ.कुमार आशीष ने पढ़ीं। अवसर था उनके सम्मान में आयोजित विशेष गोष्ठी का। आरम्भ में दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय की ओर से निदेशक करुणा राजुरकर, अध्यक्ष रामराव बामनकर और उपाध्यक्ष घनश्याम मैथिल अमृत ने डॉ.आशीष का सम्मान किया। गोष्ठी में करुणा राजुरकर ने एक गीत मिलकर हम लोग जतन कुछ ऐसा करें ,जोड़ दे जो दिलों को मिटा दे फासले, पढ़ा। वरिष्ठ कवि कुमार सुरेश ने नई कविता के माध्यम से कृष्ण चरित्र का सुंदर चित्रण खींचते हुए कहा - उसने देखा प्यार से जिसकी तरफ वो उसका हो गया, उसने राधा से गोपियों ग्वालों से, पांडवों सुदामा से कुब्जा से प्रेम किया । गजलकार दिनेश मालवीय अश्क की पंक्तियां थी - सबने कहा आपने प्यारी गजल

पढ़ी,एक शख्स ने कहा आपने हमारी गजल पढ़ी। इस क्रम को आगे बढ़ाया गोष्ठी का संचालन कर रहे घनश्याम मैथिल अमृत ने उन्होंने दोहे पढ़ते हुए कहा - काशी में प्रकट भया, मगहर तज़ा शरीर, सदा सत्य के साथ जो उसका नाम कबीर, युवा कवि नीतिराज चौरे ने गोष्ठी के क्रम को कुछ यूं आगे बढ़ाया - घर के हर कोने में बिखरा बेटियो का प्यार हैं। घर की खुशियां सजी है इनसे, हरा भरा संसार है। कुमार अखिलेश ने पढ़ा - करुणा के सिंधु राम,मर्यादा के बिंदु राम, जगत को भी विन्यास, देने वाले राम है। गोष्ठी में वरिष्ठ कवि विनोद कुमार जैन की यह पंक्तियां भी खूब सराही गईं - उधो मन का क्या विश्वासा, सांस की बीच डोर का खुद रहता निश्वासा। गोष्ठी में अशेष श्रीवास्तव ने पढ़ा - शत्रुओं की कमी कहां ,जो कितने ही खुद के भीतर हैं। गोष्ठी में अरुण अर्णव खरे, रमेश भूमरकर सहित अन्य साहित्यकार उपस्थित थे।

गांधी जयंती पर ग्रेसी को पुरस्कार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

महात्मा गांधी की 157वीं जयंती एवं विश्व अहिंसा दिवस के अवसर पर 2 अक्टूबर 2025 को गांधी भवन न्यास, भोपाल में सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिक, समाजसेवी और गांधीवादी विचारक शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय राज्यपाल मंगुभाई पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पद्मश्री विजयरत्न श्रीधर (प्रसिद्ध लेखक एवं पत्रकार) ने की, जबकि मुख्य वक्ता गांधीवादी चिंतक श्री ऋषि ठाकुर रहे। इस अवसर पर गांधी के राम विषय पर विशेष विमर्श हुआ तथा महात्मा गांधी के आदर्शों को आज के समाज में आत्मसात करने का आह्वान किया गया। प्रार्थना सभा में जवाहरलाल नेहरू उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपाल के छात्र-छात्राओं द्वारा भजन प्रस्तुति दी गई। साथ ही एकल गायन में ग्रेसी गोस्वामी को राज्यपाल द्वारा प्रथम पुरस्कार स्वरूप शील्ड और प्रशस्तिपत्र प्रदान किया गया।

खंडवा हादसे से द्रवित हुए मोहन, कार्यक्रम रद्द कर पीड़ितों के बीच पहुंचे पंधाना

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खण्डवा जिले में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान ट्रैक्टर ट्रॉली दुर्घटना के प्रभावित परिवारों से पंधाना पहुंचकर संवेदना प्रकट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद के लिए आश्वस्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व निर्धारित अपने सभी कार्यक्रम निरस्त कर पंधाना पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मिलकर शोक-संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिवारजन को सांत्वना देते हुए कहा कि हृदय विदारक दुख की घड़ी में राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। आवश्यक सहायता राशि भी परिवारों को स्वीकृत कर प्रदान की गई है। प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए प्रति दिवंगत 4-4 लाख रूपए मध्यप्रदेश सरकार और 2-2 लाख रूपए प्रधानमंत्री सहायता कोष से मंजूर किए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि घटना में गंभीर रूप से घायल लोगों को समुचित उपचार के लिए एक-एक लाख रूपए की राशि दी जाएगी।

सीएम ने अन्नदाताओं को 653 करोड़ की राहत, बोले

सीमा पर तैनात जवान की तरह हैं अन्नदाता हर संकट में हम साथ

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लाखों किसानों को करोड़ों रुपये की राहत राशि दी। यह पहली बार था जब पीला मोजेक की वजह से खराब हुई फसलों के लिए भी राज्य सरकार ने राहत राशि प्रदान की। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने कई जिलों के किसानों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बातचीत कर उनका हालचाल जाना। इस चर्चा के दौरान किसानों ने आर्थिक मदद के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद दिया। वहीं, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के साथ-साथ प्रदेश भी प्रगति कर रहा है। हर संकट में सरकार किसानों के साथ खड़ी है। किसानों की वजह से ही प्रदेश की अर्थव्यवस्था चलती है।

बता दें कि, सीएम डॉ. यादव ने एक क्लिक से 8 लाख 84 हजार 772 किसानों के खातों में 653.34 करोड़ की राशि ट्रांसफर की। इस दौरान किसानों को अतिवृष्टि-बाढ़ से फसल क्षति के लिए 331.22 करोड़ की राशि और कीट व्याधि-पीला मोजेक से फसल क्षति के लिए राहत 321.97 करोड़ रुपये प्रदान किए गए। सरकार का कहना है कि क्षति की इस स्थिति में राहत राशि का वितरण जारी रहेगा। किसानों से चर्चा में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। हमने जो कहा है वो किया है। उन्होंने किसानों से कहा कि सरकार के पास पैसे की कोई कमी नहीं है। किसान मंडियों में जाकर भावांतर योजना के लिए रजिस्ट्रेशन कराएं। उसका पैसा भी उन्हें जल्दी मिलेगा। सरकार दुख के समय किसानों के साथ खड़ी है। सरकार किसानों की मदद के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जैसे सीमा पर जवान वैसे खेत में किसान। दोनों जान की

किसानों ने दिया धन्यवाद

इस दौरान मंदसौर के किसान ने सीएम को बताया कि उनकी फसल पीला मोजेक की वजह से खराब हो गई। उन्होंने कहा कि सरकार ने इसके लिए तत्काल राहत प्रदान की। इसके लिए मैं सरकार को धन्यवाद देता हूं। हमारी दीवाली में मदद हो जाएगी। इसी तरह रेखा ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने दीपावली के समय किसानों की भरपूर मदद की है। इसके लिए सरकार का बहुत-बहुत धन्यवाद। इसी तरह सभी जिलों के किसानों ने कहा कि सरकार ने दीपावली से पहले उनके उत्सव की तैयारी करवा दी।

भोपाल में 6 अक्टूबर को होगा स्मार्ट मीटर के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन,

200 यूनिट मुफ्त बिजली देने सहित 11 मांगों को लेकर भोपाल में होगा हल्लाबोल

भोपाल, दोहपर मेट्रो

भोपाल। प्रदेश में प्री-पेड स्मार्ट मीटरों को लेकर बढ़ते असंतोष के बीच अब 6 अक्टूबर को भोपाल में एक बड़ा प्रदर्शन होने जा रहा है। यह विरोध मध्यप्रदेश बिजली उपभोक्ता एसोसिएशन के नेतृत्व में होगा, जिसमें राज्यभर से हजारों उपभोक्ता राजधानी पहुंचेंगे। विरोध प्रदर्शन डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क में आयोजित किया जाएगा। उपभोक्ता स्मार्ट मीटर नीति को रद्द करने, 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने और बिजली दरों में कटौती सहित 11 प्रमुख मांगों को सरकार के समक्ष रखेंगे।

यह विरोध हमारी जीविका और अस्तित्व से जुड़ा मुद्दा -एसोसिएशन की प्रदेश संयोजक रचना अग्रवाल और सदस्य लोकेश शर्मा ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता में जानकारी दी कि, यह कोई राजनीतिक विरोध नहीं है, न ही किसी संगठन विशेष से प्रेरित है। यह आम उपभोक्ताओं की रोजमर्रा की आय और जीवन से जुड़ा मसला है। स्मार्ट मीटरों ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। इस दौरान भटनागर, सतीश ओझा, आरती शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

प्रदेशभर में स्मार्ट मीटर से बढ़े हुए बिलों से नाराजगी

भोपाल में उपभोक्ताओं ने बताया कि वे हर महीने बिल भर रहे हैं, फिर भी किसी का बिल 10,000 तो किसी का 29,000 रुपये तक आ रहा है। ग्वालियर में एक कमरे के मकान का बिल 5,000 रुपए तक आया है। गुना में एक किसान को 2 लाख रुपए का बिजली बिल थमा दिया गया। सीहोर, इंदौर, सतना, देवास, दमोह, जबलपुर जैसे जिलों में भी हालात अलग नहीं हैं। बिजली बिल भरने के लिए कई परिवारों को गहने और बर्तन तक बेचने पड़े हैं।

स्मार्ट मीटर को लेकर आपत्तियां

1. स्मार्ट मीटर प्री-पेड प्रणाली पर काम करते हैं, जो उपभोक्ता की सहमति के बिना लागू किए गए हैं।
2. मीटर से जुड़े सभी कमांड और मॉनिटरिंग सेंट्रल सिस्टम के जरिए होती है, जिससे यूनिट में छेड़छाड़ की आशंका रहती है।
3. टाइम ऑफ डे के अनुसार अलग-अलग समय पर अलग दर से बिलिंग होती है, जिससे बिल बढ़ जाता है।
4. मीटर में खराबी आने पर नया मीटर उपभोक्ता को खुद खरीदना पड़ता है, जिससे अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है।
5. बिल न भरने पर तुरंत बिजली काट दी जाती है और जुड़वाने के लिए 350 रुपए वसूले जाते हैं, जबकि उपभोक्ता की सिक्योरिटी राशि पहले से विभाग के पास होती है।
6. बिल की हार्ड कॉपी नहीं दी जा रही है, जिससे अशिक्षित उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है।
7. सभी उपभोक्ताओं के पास स्मार्टफोन या इंटरनेट एक्सेस नहीं है।
8. बिजली कंपनी के साथ अनुबंध पोस्टपेड मीटर का है, फिर प्री-पेड मीटर क्यों?

उपभोक्ताओं की 11 प्रमुख मांगें

1. बिजली क्षेत्र में निजीकरण की नीति तत्काल प्रभाव से रद्द की जाए।
2. बिजली संशोधन विधेयक 2022 को पूरी तरह से रद्द किया जाए।
3. स्मार्ट मीटर लगाने की नीति को वापस लिया जाए।
4. उपभोक्ताओं को बिल की हार्ड कॉपी दी जाए और पोस्टपेड सिस्टम ही लागू रहे।
5. जहां स्मार्ट मीटर लगे हैं, उन्हें हटाकर पुराने डिजिटल मीटर पुनः लगाए जाएं।
6. स्मार्ट मीटर के विरोध में दर्ज FIR केसों को रद्द किया जाए।
7. जिन उपभोक्ताओं के अनुचित बिल आए हैं, उन्हें रद्द किया जाए।
8. भविष्य में सभी उपभोक्ताओं को उचित व पारदर्शी बिल दिए जाएं।
9. बिजली दरों में कटौती की जाए, ताकि गरीब उपभोक्ता भी समय पर बिल भर सकें।
10. जो उपभोक्ता तत्काल बिल न भर पाएं, उन्हें 3 माह की राहत अवधि दी जाए और कनेक्शन न काटा जाए।
11. सभी उपभोक्ताओं को 200 यूनिट बिजली निःशुल्क दी जाए।

क्या होगा 6 अक्टूबर को?

6 अक्टूबर को डॉ. अंबेडकर पार्क, भोपाल में राज्यभर के उपभोक्ता इकट्ठा होंगे और शांतिपूर्ण प्रदर्शन के जरिए सरकार तक अपनी मांगें पहुंचाएंगे। यह विरोध लंबी लड़ाई की शुरुआत माना जा रहा है, जिसमें आम उपभोक्ता अपनी आवाज उठाने के लिए मैदान में उतर रहा है।

सोलर प्लस स्टोरेज मुरैना एक ऐतिहासिक परियोजना: शुक्ला

भोपाल। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने मीडिया से चर्चा में कहा है कि सोलर प्लस स्टोरेज मुरैना परियोजना ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश मुरैना में अपनी पहली सोलर प्लस स्टोरेज परियोजना विकसित कर रहा है, जिसमें रु 2.70 प्रति यूनिट का ऐतिहासिक टैरिफ प्राप्त हुआ है। यह भारत में पहली बार है कि किसी फर्म और डिसपेचेबल रिएन्युबल एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए रु 3 प्रति यूनिट से कम टैरिफ हासिल किया गया है। मंत्री शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुरैना प्रोजेक्ट में प्राप्त सफलता के आधार पर लंबे समय की ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के लिए प्रतिबद्धता जताई है। इस बात पर संतोष जताया गया कि परियोजना में प्राप्त न्यूनतम टैरिफ प्रदर्शित करता है कि नवकरणीय ऊर्जा भी डिस्कॉम के लिए अधिक किफायती हो सकती है।

डायनासोर राष्ट्रीय उद्यान का वैज्ञानिकों ने किया निरीक्षण

धार के बाग उद्यान में वैश्विक जिओपार्क की मान्यता के प्रस्ताव को मिल सकती है हरी झंडी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

यूनेस्को के वैश्विक जिओपार्क के कार्यकारी विज्ञानी डॉ. अलीरेजा (ईरान) एवं लखनऊ के विज्ञानी डॉ. सतीश त्रिपाठी और खोजेमा नजमी (भू-गर्भशास्त्र विशेषज्ञ) ने बाग क्षेत्र स्थित डायनासोर राष्ट्रीय उद्यान का गुरुवार को निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने उद्यान में संरक्षित किए गए डायनासोर के जीवाश्म, विभिन्न प्रकार की चट्टानों, समुद्री जीवों के जीवाश्म और वानस्पतिक जीवाश्मों का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। डॉ. अलीरेजा ने जीवाश्म की प्रचुर मात्रा को देख आश्चर्य व्यक्त किया एवं वनमंडल धार द्वारा जीवाश्म संरक्षण के लिए किए गए प्रयासों को सराहा। डॉ. अलीरेजा ने डायनासोर राष्ट्रीय उद्यान को वैश्विक जिओपार्क की मान्यता के लिए प्रस्तावित करने की अनुशंसा की बात कही। बाग गुफाओं का सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक स्तर पर अध्ययन करने पर विशेष जोर दिया गया है। डॉ. त्रिपाठी ने सभी जीवाश्मों की विशेषता बताई एवं शोध व संरक्षण की भविष्य की संभावनाओं पर भी

कमिश्नर-कलेक्टर कॉन्फ्रेंस 7-8 अक्टूबर को

जिलों की रैंकिंग से लेकर जनसंवाद तक की होगी समीक्षा

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 7 एवं 8 अक्टूबर 2025 को कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कंवेंशन सेंटर भोपाल में होने वाली कमिश्नर-कलेक्टर कॉन्फ्रेंस संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। विषय संयोजक को प्रस्तुति के लिए अधिकतम 20 मिनट मिलेंगे और प्रत्येक क्षेत्र में राज्य सरकार की प्राथमिकताएं बताई जाएंगी। राज्य सरकार के विजन के अनुरूप केंद्र और राज्य सरकार की क्षेत्रीय प्रमुख योजनाओं और कार्यक्रमों में सर्वश्रेष्ठ पांच और कमजोर पांच जिलों की समीक्षा की जाएगी।

कॉन्फ्रेंस में कलेक्टरों के सुझावों पर ध्यान केंद्रित कर आने वाली विशिष्ट समस्याएं और मुद्दे तथा जिला स्तर पर उस क्षेत्र के साथ अन्य किसी क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए नवाचार पर चर्चा की जाएगी। मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय और योजना विभाग चुनिंदा कार्यक्रमों की समीक्षा करेंगे। स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और नवाचार तथा जिला, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर सार्वजनिक संवाद (जन संवाद) वीसी के माध्यम से इच्छित परिणाम प्राप्ति पर चर्चा होगी। जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तर पर रोजगार सृजन, लोगों के लिए सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तक आसान पहुंच और पहलों के बारे में जागरूकता पर चर्चा होगी। सभी 8 सेक्टरों के लिए 75 मिनट का सत्र समय रखा गया है। कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन सत्र 7 अक्टूबर की सुबह 10 बजे से 10:30 बजे तक सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा परिचय, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन के संबोधन से होगा। सत्र में संयोजक कृषि उत्पादन आयुक्त, सदस्य कृषि/बागवानी/पशु चिकित्सा/सहकारी द्वारा कलेक्टर्स के बीच कृषि एवं संबद्ध विषयों पर चर्चा की जायेगी।

आठवें सत्र में नियम और कानून पर होगी चर्चा

कॉन्फ्रेंस में 8 अक्टूबर की गतिविधियों के अंतर्गत सुबह 9:30 से 10:15 बजे तक मुख्य सचिव अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री, आयुक्त जनसंपर्क द्वारा अपेक्षाओं के साथ विविध चर्चाएं की जाएगी। कॉन्फ्रेंस के छठवें सत्र में संयोजक प्रमुख सचिव-स्कूल शिक्षा, प्रमुख सचिव जनजाति कार्य चर्चा करेंगे। सातवें सत्र में प्रमुख सचिव पीएचई/प्रमुख सचिव जनजाति कलेक्टर्स के बीच रिसर्च और विकास एवं जनजातीय गतिविधियों पर चर्चा करेंगे। आठवें सत्र में नियम और कानून पर चर्चा होगी।

18.13 लाख शिकायतों को सफलता पूर्वक निराकरण

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के केंद्रीयकृत कॉल सेंटर1912 का विस्तार किया गया है। अब एक समय में पांच उपभोक्ताओं के कॉल अटेंड किए जा सकेंगे ताकि उपभोक्ताओं को लंबी वेटिंग नहीं मिलेगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने बताया कि विद्युत अधोसंचारना का उचित रखरखाव कर उपभोक्ताओं को अनवरत एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत प्रदाय करने के उद्देश्य से यह विस्तार किया गया है। कंपनी में आनेवाली हर शिकायत का बारीकी से निरीक्षण कर उसका तत्काल निराकरण किया जाता है। आई. व्ही.आर., व्हाट्स एप चेट वॉट, उपाय एप के साथ ही कंपनी पोर्टल पर वित्तीय वर्ष 2024-25 यानि अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक 18 लाख 13 हजार 526 शिकायतों को सफलता पूर्वक दर्ज कर उनका निराकरण किया गया। यह संख्या विगत वर्ष से 2 लाख 99 हजार 918 अधिक है। केंद्रीयकृत कॉल सेंटर द्वारा प्रतिदिन 500 उपभोक्ताओं का फीडबेक लेते हुए उक्त अवधि में 1 लाख 93 हजार 756 उपभोक्ताओं से फीडबेक लिया गया, जिसका संतुष्टि प्रतिशत 99.80 प्रतिशत रहा। गौरतलब है कि कंपनी द्वारा उच्च दाब उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिये 1912 कॉल सेंटर एवं उपाय एप के माध्यम से दर्ज की जा रही है।

मेट्रो एंकर

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों-अभिभावकों ने उत्साह से लिया भाग

बच्चों ने किए विभिन्न प्रजातियों की रंग-बिरंगी तितलियों के दर्शन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में राज्य स्तरीय वन्यजीव सप्ताह-2025 के यानि तीसरे दिन सुबह 6 बजे तितली अवलोकन शिविर में भोपाल के 57 एवं अन्य शैक्षणिक संस्थाओं के 13 प्रतिभागी शामिल हुए। शिविर में प्रतिभागियों ने तितलियों की विभिन्न प्रजातियों के दर्शन किये। इनमें रेड पिरोट, कॉमन क्रो, स्ट्राइपड टाइगर, प्लेन टाइगर, कॉमन सरूलीन, ब्लू टाइगर, कॉमन ग्रास एलो, लेमन पैन्सी के बारे में विषय-विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त की।

वन्यजीव सप्ताह में सुबह 9.30 से दोपहर 12.30 बजे तक खजाने की खोज प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में 140 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विभिन्न प्रकार की तितलियों, पक्षियों, गिद्धों, स्तनपायी जीव जंतुओं से संबंधित प्रतिभागियों को (क्लू) सुराग दिये गये एवं उनका प्रश्नोत्तरी टेस्ट लिया गया। प्रतिभागियों के लिये नीडम एवं बटरफ्लाई पार्क में विभिन्न क्लू को छुपाया गया, जिन्हे उनके द्वारा सफलतापूर्वक हासिल किया गया। इस प्रतियोगिता में कक्षा-1 से महाविद्यालय स्तर तक के विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों ने काफी उत्साह से भाग लिया। वन्यजीव विषय पर मेंहदी एवं पॉम पेंटिंग प्रतियोगिता सुबह 10 से 11.30 बजे तक आयोजित की गई। मेहंदी प्रतियोगिता में 32 एवं पॉम पेंटिंग प्रतियोगिता में 46 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने विभिन्न वन्यप्राणियों की पेंटिंग बनाई और उन्हें वन्यजीव संरक्षण से जोड़ा। संचालक वन विहार विजय कुमार के नेतृत्व में वन्यजीव सप्ताह में स्रोत व्यक्ति के रूप में डॉ. सुदेश वाघमारे, से.नि. उप वन संरक्षक तथा अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

आज होंगे यह कार्यक्रम

वन्यजीव सप्ताह के चौथे दिन 4 अक्टूबर को सुबह 6 से 8.30 तक विशेष वंचित वर्ग/दिव्यांग बच्चों के लिये पक्षी अवलोकन शिविर का आयोजन होगा एवं सुबह 6.30 से 11.30 बजे तक कक्षा-5 से 8 एवं कक्षा-9 से महाविद्यालय स्तर तक के विद्यार्थियों के लिये वन विहार विषय पर फोटोग्राफी प्रतियोगिता होगी। वन्यजीव सप्ताह में सुबह 9 से 11 बजे तक कक्षा 5 से 8 तक वन एवं वन्यजीव विषय पर तथा कक्षा 9 से महाविद्यालीयन स्तर के लिये पौराणिक कथाओं में वन्यजीव विषय पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। सुबह 11 से दोपहर 1.30 बजे तक विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं के लिये युवा संसद का आयोजन भी होगा।

छुआछूत का अभिशाप

हिमाचल प्रदेश के रोहड़ू में एक दलित बच्चे के साथ मारपीट और फिर उसका कथित तौर पर आत्महत्या कर लेना शर्मनाक है। यह घटना बताती है कि आज भी समाज में जातिगत भेदभाव की जड़ें कितनी गहरी हैं। बदलाव के लिए दोषियों को दंड दिलाना ही काफी नहीं, लोगों की मानसिकता भी बदलनी होगी।

घर में घुसा था: आरोपों के मुताबिक, यह घटना 16 सितंबर की है। क्लास 6 में पढ़ने वाला 12 साल का बच्चा गांव की दुकान से कुछ सामान लेने गया था। बच्चा दलित था, जबकि दुकान अगड़ी जाति के परिवार की। बताया जा रहा है कि दुकान पर कोई नहीं था, तो बच्चा घर में घुस गया। इसी बात से नाराज होकर आरोपी महिला ने उसे धमकाया, मारा-पीटा और फिर घर का शुद्धिकरण करने के लिए एक बकरी की मांग की। कथित तौर पर घबराए बच्चे ने बाद में कीटनाशक पीकर जान दे दी।

बाद में जुड़ीं धाराएं: आरोपी महिला पर पहले आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज हुआ था। बाद में जब तक SC/ST एक्ट की धाराएं जोड़ी गईं, तब तक उसे हाई कोर्ट से जमानत मिल गई। अब जब मामला तूल पकड़ रहा है, तो पुलिस जांच में तेजी आई है।

आंकड़ों में अत्याचार: हिमाचल की यह वारदात देश में जाति के नाम पर होने वाले अत्याचारों का एक काला सच है। आंकड़े बताते हैं कि 2022 में देशभर में दलितों के खिलाफ अपराध के 51 हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए गए थे और इनमें 80% से ज्यादा केवल केवल 6 राज्यों के थे - यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, ओडिशा और महाराष्ट्र। इन आंकड़ों से भी ज्यादा चिंताजनक बात यह रही कि SC/ST एक्ट के तहत सजा मिलने की दर में कमी नोट की गई - साल 2020 में conviction rate 39.2% था, जबकि 2022 में 32.4%।

हर जगह समस्या: भले ही कुछ जगहों से केस ज्यादा सामने आए हों, लेकिन कोई भी राज्य यह दावा पूरी तरह से नहीं कर सकता कि उसके यहां दलितों को किसी तरह का अपमान या अत्याचार नहीं सहना पड़ता। सरकार किसी भी दल की हो, दलितों से भेदभाव हकीकत बना हुआ है। ऐसी घटनाएं तो हमेशा सुनाई ही पड़ती रहती हैं, जहां किसी दलित दूल्हे को उसकी जाति की वजह से घोड़ी पर न बैठने दिया गया हो।

कमजोर की रक्षा: संविधान का अनुच्छेद 46 कहता है कि राज्य को समाज के कमजोर वर्गों के हितों की सुरक्षा करनी चाहिए। देश में इसके लिए कानून भी मौजूद हैं। लेकिन समाज को भी आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है कि आज जब हम विकसित भारत का सपना देख रहे हैं, तब भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं, जो शर्मनाक है।

विश्व पशु दिवस

पशु हमारी धरोहर, इनका संरक्षण नैतिक जिम्मेदारी

दिलीप कुमार पाठक
पत्रकार

किसी राष्ट्र की महानता और उसकी नैतिक प्रगति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां पशुओं के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। एक राष्ट्र तभी समृद्ध होगा जब वह पशुओं के जीवन को मानव जीवन के समान मूल्यवान समझेगा। पशुओं को लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के विचार सभी को जानना चाहिए। महान विचारक श्री अरविंदो भी यही कहते थे जीवन तो जीवन है - चाहे वह बिल्ली में हो, कुत्ते में हो या मनुष्य में। बिल्ली और मनुष्य में कोई अंतर नहीं है। अंतर का विचार मनुष्य के अपने लाभ के लिए एक मानवीय अवधारणा है। हैरियट बीचर स्टोव कहते थे - जानवरों के साथ अपने व्यवहार में हमें यह याद रखना चाहिए कि वे हमारे पूर्वजों की ओर से हमें दी गई एक पवित्र धरोहर हैं। वे गूंगे हैं और अपनी बात नहीं कह सकते। अतः हमें इस धरोहर को सम्भालना चाहिए।

अभी कुछ दिनों पहले आवारा कुत्तों को लेकर दिल्ली में अमानवीयता देखने को मिली थी, परंतु कोर्ट ने कुत्तों के जीवन को भी उपयोगी बताते हुए लोगों की अमानवीयता पर रोक लगाई थी कि कुत्ता हो या कोई अन्य जीव सभी का जीवन महत्तवपूर्ण है। ख़ासकर जानवर भी हमारे आसपास रहते हैं जिससे प्रकृति संतुलित रहती है। प्रत्येक 4 अक्टूबर को विश्व पशु कल्याण दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है। यह दिन पूरे विश्व में मनाए जाने वाले प्रमुख दिनों में से एक है। विश्व स्तर पर विश्व के बुद्धिजीवियों ने पर्यटकों के संरक्षण और संरक्षण के लिए इस दिन की शुरुआत की थी, जिसे पूरे विश्व में जानवरों के संरक्षण और जागरुकता के लिए मनाया जाता है। यह दिवस मानव की समृद्धि में एक प्रमुख कारक है, प्राकृतिक आपदाओं से, जहां मनुष्य खुद को किसी भी तरह से बचा लेता है, लेकिन वह पशुओं को बचा नहीं पाता है । 4 अक्टूबर को हम विश्व पशु कल्याण दिवस मानते हैं, यह एक अन्तराष्ट्रीय दिवस है। यह दिन एसीसी केसेंट फ्रांसिस का जन्मदिवस भी है जो कि पशुओं के महान संरक्षक थे। देखा जाए तो विश्व पशु कल्याण दिवस की शुरुआत 1931 ई.पू. में परिस्थिति विज्ञानशास्त्रियों के सम्मलेन में इटली के शहर फ्लोरेंस में की गई थी 7 अब तक युनाइटेड नेशंस ने पशु कल्याण पर एक सार्वभौम घोषणा के नियम एवं निर्देश के अनेक अभियानों की शुरुआत की है, पृथ्वी की दृष्टि से, संयुक्त राष्ट्र ने घोषणा किया कि जानवरों के दर्द और पीड़ा के सन्दर्भ में उन्हें प्राणी के रूप में पहचानने की बात कही गई है, जिससे उनकी जान की रक्षा करना सभी का उत्तरदायित्व होना चाहिए लेकिन विश्व पशु कल्याण दिवस का मूल उद्देश्य पशु कल्याण मानकों में सुधार करना, और असंख्य लोगों को पशुओं के प्रति जागरूक करना। ख़ासकर जिन्होंने अब तक पशुओं के जीवन को भी महत्पूर्ण माना है उन विद्वानों के प्रति प्रेम एवं कृतज्ञता प्रकट करना तो है ही साथ ही पशुओं का जीवन सक्षम और बेहतर हो सके। विश्व पशु दिवस का मुख्य उद्देश्य पशुओं के प्रति लोगों के व्यवहार और उनके जीवन पर इसके प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। इस दिन का उद्देश्य पशुओं के लिए बेहतर जीवन परिस्थितियों को सुनिश्चित करना है, जिसमें उनके लिए बचाव आश्रय प्रदान करना, धन जुटाना और पशु कल्याण कार्यक्रम शुरू करना शामिल है। इस दिन के माध्यम से पशुओं के प्रति क्रूरता के बारे में भी जागरूकता फैलाई जाती है, जैसे कि उन्हें मारना-पीटना, पत्थर मारना, और गलत कामों के लिए उनका इस्तेमाल करना। इसका उद्देश्य पशुओं के जीवन को बेहतर बनाने और उनके

अधिकारों की रक्षा करने के लिए लोगों को प्रेरित करना है। हालांकि अभी भी पशुओं के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है। अभी दुनिया भर में जानवरों के प्रति क्रूरता के विडिओ आते रहते हैं, हम अपने आसपास भी लोगों को देखते रहते हैं। तब सवाल उठते हैं कि दुनिया पढ़ लिखकर आगे बढ़ रही है या क्रूर हो रही है। ईश्वर ने इंसान को जुबां, के साथ सोचने, समझने, कमाने की समझ दी है, वहीं जानवरों को सोचने समझने की क्षमता नहीं दी यही कारण है कि इंसान की जिम्मेदारी पशुओं की रक्षा के प्रति ज़्यादा बढ़ जाती है। अगर हम पशुओं के प्रति क्रूर हो जाएंगे तो प्रकृति इंसान के साथ क्रूर हो जाएगी चूंकि प्रकृति को असंतुलन स्वीकार नहीं है यही कारण है कि प्रकृति ने इंसान को समृद्ध करके भेजा है। बेजुबान जानवरों के प्रति हम सब की नैतिक जिम्मेदारी बनती है, हम सभी को सुनिश्चित करना होगा, जिससे हम अपनी शिक्षा एवं अपने मानवीयता का पालन करते हुए पशुओं की रक्षा करें। गुरु नानक देव जी, महात्मा गांधी, आचार्य विनोबा भावे, जैसे महापुरुषों ने किसी भी जीव के प्रति हम सभी के नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी है।

समृद्धि और ऐश्वर्य की गौरव गाथा सुनाता खरगोन का 'ऊन'

श्रीरंग वासुदेव पेंटारकर
स्तंभकार

सहस्राब्दियों के समृद्ध और गौरवशाली इतिहास की वजह से हमारा देश ऐसे स्थानों से भरा पड़ा है जहां आज भी उस वैभव और सांस्कृतिक ऐश्वर्य के चिन्ह देखे जा सकते हैं। परन्तु, एक सुनियोजित प्रयास के द्वारा ऐसे अधिकांश स्थानों को हाशिए पर डाल कर रखा गया। कहीं भी, कुछ भी, ऐसा हो जिस पर आप एक सनातनी हिन्दू होने के नाते गर्व कर सके तो उसे आपकी नजरों से दूर ही रखा गया। न उस पर कुछ लिखा गया, न जो लिखा उसे छापा जा सका, न वहां पर्यटन की सुविधाएं विकसित हुई, न उसे UNESCO जैसी संस्था में नामांकित करवाया गया और न ही पाठ्यक्रम में उसे समाविष्ट किया गया।

ऐसा ही एक स्थान है ऊन (Oon)। मध्यप्रदेश के निमाड़ क्षेत्र के खरगोन जिले में एक छोटा सा कस्बा ऊन, इन्दौर से कुछ 150 किमी की दूरी पर स्थित है। लगभग 120 किमी का प्रवास आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग का है और अंतिम 30 किमी भी उत्तम मार्ग बना हुआ है। परमारों के शासन काल यानि 10 और 11 वीं शताब्दियों में ऊन एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक केंद्र हुआ करता था। दरअसल, गुजरात से दक्षिण जाने वाले मार्ग पर ऊन एक समृद्ध व्यापारिक केंद्र था। परमार राजवंश के राजा उदयादित्य और महाराजा भोज के कालखंड में इस नगर का चहुंमुखी विकास और विस्तार हुआ। इस दौरान बनाए गए 12 विशाल और अप्रतिम सुंदर मन्दिरों के अवशेष आज भी उस युग की समृद्धि और ऐश्वर्य की गाथा सुनाते हैं। सभी मन्दिर आज खंडित अवस्था में हैं परन्तु उनके भग्नावशेष देख कर सहज ही उनकी भव्यता का अनुमान लगाया जा सकता है।

ये सभी मन्दिर परमारों की विशिष्ट भूमिजा शैली में बने हैं। नीलकंठेश्वर महादेव मन्दिर को देख कर सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि अपनी पूर्णता में यह मन्दिर करीब 60-70 फीट ऊंचा रहा होगा। करोड़ों वर्षों पूर्व के ज्वालामुखी से बने बेसाल्ट के पत्थरों से बने ये मन्दिर वास्तुकला, शिल्पकला, तकनीक और कौशल के अनमोल उदाहरण हैं। किसी एक स्थान पर 12 विशाल मंदिरों का अस्तित्व में होना ही यह सुनिश्चित करता है कि किसी समय यह स्थान बड़ा और भरा पूरा होगा।

आज ऊन एक छोटा सा गांव भर है। हालांकि कोई निश्चित इतिहास उपलब्ध नहीं हो पाया है, परन्तु नजर आ रहे साक्षों को देखते हुए सहज ही समझ में आता है कि यहां का विनाश भी बाहरी आक्रांताओं द्वारा ही किया गया था। पत्थर सिर्फ टूट ही सकते हैं इसलिए खंडहर ही क्यों न हो, मन्दिर नजर आ रहे हैं परन्तु इन मन्दिरों के आजू बाजू बसा नगर जो मुख्यतः लकड़ियों और ईंट मिट्टी से बने होते थे, पूरी तरह नष्ट हो गए। उसके साथ ही वहां का व्यापार और संस्कृति भी विलुप्त हो गए।

परन्तु उस वैभव और संस्कृति के प्रतीक ये भव्य वास्तु आज

भी उस गौरव गाथा से परिचित करवा रहे हैं। आज ये मन्दिर भारतीय पुरातत्व विभाग के अधीन है परन्तु नगर के बीच में स्थित होने से पूजा अर्चना निरन्तर जारी है। पुरातत्त्व विभाग द्वारा कुछ पत्थरों को जमा कर इन वास्तुओं को कुछ हद तक संरक्षित भी किया है। हालांकि श्री बल्लालेश्वर महादेव मन्दिर को जिस प्रकार पुनर्निर्मित किया गया है, वह अत्यन्त निराशाजनक है क्योंकि वह भूमिजा वास्तुशिल्प से कतई मेल नहीं खाता। वस्तुतः अधिकांश पत्थर वहीं बिखरे पड़े हैं। विशेषज्ञों की निगरानी में इन मन्दिरों में से कुछ को लगभग पूरा पुनः खड़ा किया जा सकता है। नेतृत्व और विभागीय स्तर पर सिर्फ इच्छाशक्ति की ही आवश्यकता है। इन मन्दिरों में जैन मन्दिर, शिव मन्दिर और लक्ष्मी नारायण मन्दिर सभी शामिल है। स्पष्ट है कि शैव, वैष्णव और जैन आदि में उस दौर में कोई वैमनस्य था ही नहीं। आज, इनके बीच में दीवारें षडयंत्रपूर्वक खड़ी की जा रही है।

बहरहाल, ऊन जाना एक सुखद अनुभव है। परमार कालीन भूमिजा शैली के मन्दिरों की इस नगरी में कुछ घंटे बिताना आपको एक ऐसे युग में ले जाता है, जब हमारा देश समृद्ध हो कर ललित कलाओं और सृजनात्मकता के शीर्ष पर था। चहुं ओर बिखरे विनाश के नजारे आपको निराश तो करते हैं परन्तु यह विचार कि ये चमत्कारी इमारतें हमारे पूर्वजों द्वारा लगभग एक सहस्राब्दी पूर्व बनाई गई थी, हमें गर्व से भर भी देता है।

सुविचार

ज़िंदगी का सफ़र मानो तो मौज है वरना समस्या तो रोज है।
-अज्ञात

निशाना

प्यास पानी से बुझती है..!

आशीष गुप्ता

हम आधुनिकता की
उस दिशा की तरफ हैं उन्मुख
जहाँ स्वच्छ जल की समस्या
है विकराल हमारे सम्मुख,
स्वच्छ जल मतलब पीने योग्य पानी,
इससे वंचित हैं कितने लोग
यह बात नहीं जानी,
घर घर आया है देश में जबसे नल
और सहज हुआ लोगों
को मिलना जल,
तो उसे हम यूं ही कर रहे बर्बाद,
और कितने ही लोग कोसों
दूर से ढो रहे पानी,
यह सदा रखना याद,
पानी की तरह पैसा बहाने
का मुहावरा बदलिए,
पैसे से भी ज्यादा कीमती है पानी
अब इस नीति पर चलिए,
प्यास पानी से ही बुझती है
पैसे से नहीं रखना ध्यान,
पानी ही जीवन का आधार
और धरती का भगवान,
स्वच्छ जल के लिए सारी दुनिया
संघर्षरत है,
आज के समय में स्वच्छ जल का
मिलना जैसे अमृत है।

हेल्थ अपडेट

मंजूर हुई डायबिटीज की नई दवा, ब्लड शुगर और वजन दोनों पर असरदार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने टाइप-2 डायबिटीज से जूझ रहे मरीजों के लिए डेनमार्क की एक दवा को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) ने सेमाग्लूटाइड (Semaglutide) नाम की इस दवा को भारतीय बाजार में लाने की अनुमति दी है। इस दवा को ओजेम्पिक (Ozempic) नाम से भी जाना जाता है और बाजार में यह इंजेक्शन के रूप में उपलब्ध होगी। सेमाग्लूटाइड शरीर में इंसुलिन की तरह काम करता है और ग्लूकागन-लाइक- पेप्टाइड-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट नामक श्रेणी की दवा है।

किन मरीजों के लिए उपयोगी?: यह दवा उन मरीजों के लिए बनाई गई है जिनका ब्लड शुगर सिर्फ खानपान

और व्यायाम से नियंत्रित नहीं हो पाता, या जिन्हें पुरानी दवाएं (जैसे मेटफॉर्मिन) असर नहीं कर पा रहीं या वे उन्हें सहन नहीं कर पा रहे हैं।

हार्ट अटैक और वजन घटाने में मददगार: यह दवा दिल का दौरा और स्ट्रोक जैसे हृदय रोगों के खतरे को भी कम करती है। दुनिया भर में हुए क्लिनिकल ट्रायल से यह भी सिद्ध हुआ है कि यह वजन घटाने में मददगार है। इसलिए इसे मोटापे से जूझ रहे लोगों के लिए भी फायदेमंद माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, भारत में इस समय लगभग 10.10 करोड़ लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं और करीब 13.6 करोड़ लोग आने वाले समय में इससे प्रभावित हो सकते हैं। सीडीएससीओ से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि यह दवा सिर्फ उन मरीजों के लिए असरदार है जिन पर पुरानी दवाएं असर नहीं कर रहीं हैं। इसलिए लोगों को सलाह दी गई है कि वे डॉक्टर की सलाह के बिना यह दवा खुद से न खरीदें और न ही उपयोग करें।

दवा की कीमत बड़ी चुनौती : स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका और यूरोप में यह दवा बहुत महंगी है। ऐसे में भारत में जहां ज्यादातर मधुमेह मरीज मध्यम और निम्न आय वर्ग से हैं, वहां यह देखना होगा कि यह दवा कितनी किफायती होगी।

रोबोटिक आर्मी

युद्ध अब मैदान में नहीं, साइबर स्पेस में लड़ा जाएगा

दुनिया भर में तकनीक इतनी तेजी से बदल रही है कि आने वाले कुछ सालों में युद्ध का स्वरूप पूरी तरह बदल सकता है। अब तक युद्ध के मैदान में सैनिकों की मौजूदगी सबसे अहम मानी जाती रही है लेकिन 2030 तक तस्वीर बिल्कुल अलग हो सकती है। नई मिलिट्री टेक्नोलॉजी इतनी शक्तिशाली और एडवांस्ड होती जा रही है कि युद्ध में मानव सैनिकों की जरूरत बेहद कम हो जाएगी।

2030 तक युद्ध केवल जमीन या आसमान पर ही नहीं, बल्कि साइबर स्पेस में लड़ा जाएगा। दुश्मन के बैंकिंग सिस्टम, पावर ग्रिड, सैटेलाइट नेटवर्क और कम्युनिकेशन सिस्टम पर साइबर अटैक कर उसे कमजोर किया जा सकता है। यह हमला बिना एक भी सैनिक भेजे दुश्मन देश की नींव हिला सकता है। यही कारण है कि दुनिया भर की सेनाएं साइबर सुरक्षा और डिजिटल हथियारों पर सबसे ज्यादा निवेश कर रही हैं। आने वाले समय में रोबोटिक आर्मी की कल्पना हकीकत बन सकती है। ऐसे रोबोटिक सैनिक जो बिना थके, बिना डरे और बिना रुके युद्ध लड़ेंगे। इसी तरह ऑटोनॉमस टैंक्स और वॉर मशीनें इंसानों की जगह खतरनाक इलाकों में तैनात की जाएंगी। इससे असली सैनिकों की जान का खतरा कम होगा और सेना को लड़ाई में बड़ा फायदा मिलेगा। कई विशेषज्ञों का मानना है कि 2030 तक युद्ध का चेहरा ऐसा होगा, जहां इंसान सिर्फ कंट्रोल रूम से आदेश देंगे और मैदान में मशीनें एक-दूसरे से लड़ेंगी। इसमें ड्रोन, एआई सिस्टम, रोबोट और साइबर अटैक मुख्य भूमिका निभाएंगे। ऐसे हालात में पारंपरिक

सैनिकों की भूमिका बहुत सीमित रह जाएगी।

ड्रोन तकनीक ने पहले ही युद्ध का तरीका बदलना शुरू कर दिया है। अब ऐसे ड्रोन विकसित हो रहे हैं जो न सिर्फ निगरानी कर सकते हैं बल्कि हथियार लेकर दुश्मन पर हमला भी कर सकते हैं। यूएवी और यूजीवी भविष्य में बड़ी सेनाओं का अहम हिस्सा बनेंगे। ये मशीनें बिना इंसानी पायलट या सैनिक के दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमला करने में सक्षम होंगी।

सैन्य क्षेत्र में एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। एआई न सिर्फ दुश्मन की हरकतों की निगरानी कर सकती है, बल्कि रियल टाइम में युद्ध की रणनीति बनाने और हथियारों को नियंत्रित करने में भी सक्षम है। भविष्य में यह तकनीक युद्धक्षेत्र में सैनिकों की जगह ले सकती है क्योंकि एआई आधारित सिस्टम खतरे को इंसान से कहीं तेज पहचान और प्रतिक्रिया कर सकते हैं।

रेड अलर्ट

हवा में जहर...दिल पर वार! 90 लाख जानें निगल रहा प्रदूषण

हर साल सर्दियों के मौसम में आसमान में धुंध और स्मॉग छाए रहते हैं। हवा में घुला यह जहर सीधे दिल पर वार कर रहा है। इससे हर साल पूरे विश्व में तकरीबन 90 लाख लोगों की जान जा रही है। न्यू इंग्लेंड जर्नल ऑफ मेडिसिन (एनईजेएम) के अनुसार, वायु प्रदूषण में मौजूद छोटे-छोटे कण (जैसे पीएम 2.5, पीएम 10), कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और ओजोन जैसी गैसें हमारे शरीर में एंट्री करके ब्लड फ्लो तक पहुंचती हैं और इससे शरीर को कई तरह का नुकसान होता है। ये कण हमारी सेल्स में असंतुलन पैदा करने का काम करते हैं। इसके चलते सूजन और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, प्रदूषण हमारी आर्टरीज की भीतरी परत को कमजोर कर देता है, जिसके चलते ब्लॉकेज का खतरा बढ़ जाता है। इससे ब्लड प्रेशर का भी खतरा बढ़ जाता है, साथ ही यह हमारे ब्लड के थक्के बनने का खतरा भी बढ़ा देता है। कई बार इसका स्तर इतना ज्यादा बढ़ जाता है कि यह हार्ट अटैक या फिर स्ट्रोक जैसे मामलों को ट्रिगर कर सकता है।

न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन (एनईजेएम) और एयर पॉलुशन एंड हार्ट डिसीज एंड स्ट्रोक एएचए रिसर्च के अनुसार, इससे हार्ट अटैक की दिक्कत, स्ट्रोक का खतरा, हार्ट फेल्योर की समस्या, धड़कन की अनियमितता का शिकार हो जाना और हाई बीपी की समस्या। द लसेंट कमीशन ऑन पॉलुशन एंड हेल्थ (2022) रिपोर्ट में कहा गया कि प्रदूषण के चलते दुनियाभर में साल 2019 में कुल 9 मिलियन यानी 90 लाख लोगों ने अपनी जान गंवाई। इसमें से 62 प्रतिशत के करीब मौत हार्ट अटैक और स्ट्रोक के चलते हुई थी।

भारत में भी वायु प्रदूषण का खतरा सबसे ज्यादा है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के मुताबिक़ देश के कई बड़े शहरों में वायु गुणवत्ता (एक्यूआई) लगातार खराब श्रेणी में रहती है। यही कारण है कि देश के ज्यादातर महानगरों में रहने वाले लोगों में दिल की बीमारी का खतरा काफी तेजी के साथ बढ़ रहा है, जिसमें एक्सपर्ट के अनुसार प्रदूषण का इसमें एक बड़ा योगदान रहता है।

6 को विशाल ट्रैक्टर रैली

किसानों को मिलने वाला मुआवजा ऊंट के मुंह में जीरा

मंदसौर, दोपहर मेट्रो

किसानों को उचित फसल मुआवजा और फसल बीमा की मांग को लेकर मंदसौर जिला कांग्रेस कमेटी ने एक महत्वपूर्ण बैठक की। यह बैठक आगामी 6 अक्टूबर को आयोजित होने वाली विशाल किसान ट्रैक्टर रैली की तैयारियों के संबंध में हुई। जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर की अध्यक्षता में यह बैठक जिला कांग्रेस कार्यालय में संपन्न हुई। इसमें जिले के ब्लॉक अध्यक्षों और वोट चोरी हस्ताक्षर अभियान के ब्लॉक प्रभारियों ने भाग लिया। बैठक में सभी सदस्यों ने एकमत होकर कहा कि सरकार द्वारा दिया गया मुआवजा किसानों के लिए ऊंट के मुंह में जीरे के समान है।

तेज रफ्तार बस घर में घुसी, दो मासूम घायल

नरसिंहपुर, दोपहर मेट्रो

नरसिंहपुर में एक तेज रफ्तार बस अचानक सड़क किनारे बने एक मकान में जा घुसी। घर के बाहर खेल रही दो मासूम बच्चियां इसकी चपेट में आ गईं। भाग्यश्री मेहरा (उम्र 4 वर्ष) पिता महेन्द्र कुमार मेहरा की मौके पर ही मौत हो गई। मानबी मेहरा (उम्र 3 वर्ष) पिता रामजी मेहरा गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे इलाज के लिए ले जाया गया है। बताया जा रहा है कि मृतक बच्ची के पिता और घायल बच्ची के पिता दोनों सगे भाई हैं। इस हादसे से पूरे परिवार में मातम छा गया है। दुर्घटना में मकान का एक हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसा जिले के गोटेगांव थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम 5 बजे श्रीनगर के पास स्थित ग्राम पचामा में हुआ है। सूचना मिलते ही गोटेगांव एसडीएम संघमित्रा गौतम, एसडीओपी मनीष त्रिवेदी, थाना प्रभारी प्रदीप सराफ और झोतेश्वर चौकी प्रभारी दिलीप सिंह मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजन से चर्चा कर समझाइश दी और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। जिसके बाद जाम समाप्त हुआ और स्थिति सामान्य हुई।

यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा को लेकर बैठक में महाप्रबंधक बोले-

त्योहारी सीजन पर भोपाल, इटारसी व बीना स्टेशनों पर भीड़ मैनेजमेंट करें

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पश्चिम मध्य रेलवे महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय की अध्यक्षता एवं डीआरएम पंकज त्यागी की मौजूदगी में भोपाल मंडल कार्यालय के सभागृह में शुक्रवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संरक्षा, क्राउड मैनेजमेंट, रेलगाड़ियों के संरक्षित एवं सुरक्षित परिचालन पर जोर देने पर बात हुई। इसके साथ ही प्रमुखता से त्यौहारों पर रेलवे स्टेशनों में यात्रियों के लिए होल्डिंग एरिया एवं प्लेटफार्मों और ट्रेनों में क्राउड मैनेजमेंट और अन्य रेल सुविधाओं जैसे अनेक विषयों पर समीक्षा कर विचार-विमर्श किया गया।

महाप्रबंधक ने कहा कि संरक्षा पश्चिम मध्य रेलवे की प्राथमिकता हैं। उन्होंने ने संरक्षा एवं सुरक्षा के सम्बन्ध में रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित निर्देशों का पालन करने संरक्षा से सम्बंधित सुधारों को योजनाबद्ध तरीके से पालन करने के लिए निर्देशित किया। मीटिंग के दौरान महाप्रबंधक ने त्योहारों के मद्देनजर दीपावली एवं छठ जैसे महत्वपूर्ण पर्व पर यात्रियों को ज्यादा से ज्यादा रेल सुविधाओं का बेहतर करने के निर्देश दिए। वहीं प्रमुख भीड़ वाले भोपाल,इटारसी ओर बीना स्टेशनों पर यात्रियों के लिए होल्डिंग एरिया बनाने एवं प्लेटफार्मों और ट्रेनों में क्राउड मैनेजमेंट की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए है। साथ यात्रियों के लिए स्टेशनों पर लगी लिफ्ट व एस्क्लेटर की निरन्तर मॉनेटरिंग, सीसीटीवी कैमरे और अन्य रेल सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। महाप्रबंधक ने स्टेशनों एवं ट्रेनों में सुरक्षा की दृष्टि से आरपीएफ एवं जीआरपी द्वारा निरंतर चौबीस घंटे निगरानी सुरक्षा सुनिश्चित हो। उन्होने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे विदिशा एवं सांची स्टेशन का पुनर्विकास कार्य को इस साल के अंत तक पूरा करने के निर्देश दिए तथा एक स्टेशन एक उत्पाद योजना के स्टालों और प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्रों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक योगेश बघेल व अभिराम खरे, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) रामेन्द्र पाण्डेय, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक रोहित मालवीय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दत्ता परिवार ने भूमि दान करने का लिया संकल्प

नर्मदापुरम में होगा कालीबाड़ी का निर्माण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

दुर्गोत्सव के शुभ अवसर पर नर्मदापुरम बंगाली एसोसिएशन को एक ऐतिहासिक सौगात मिली। समाज के प्रतिष्ठित दत्ता परिवार ने अपने पिता स्व. शिवाजी दत्ता तथा बुआ स्व. सुश्री रोमा दत्ता की स्मृति में कालीबाड़ी निर्माण हेतु भूमि दान करने का संकल्प लिया।

बंगाली समाज के अनिमेश चटर्जी ने बताया कि इस प्रेरणादायी घोषणा के साथ ही दुर्गा मां के जयकारों और करतल ध्वनियों से पंडाल गूंज उठा। उपस्थित समाजजनों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए सामूहिक रूप से भव्य कालीबाड़ी निर्माण का संकल्प लिया। यह कालीबाड़ी आने वाली पीढ़ियों के लिए न केवल पूजा-अर्चना का पावन केंद्र बनेगी, बल्कि बंगाली संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन का भी माध्यम बनेगी। संकल्प के बाद समाज के सदस्य इटारसी रोड स्थित भूमि स्थल पर पहुँचे और वहां चरण स्पर्श कर भूमि पूजन स्वरूप प्रणाम किया। नर्मदापुरम बंगाली एसोसिएशन के अनिमेष चटर्जी ने बताया कि यह

कदम नर्मदापुरम में बंगाली समाज की सांस्कृतिक धरोहर को एक नई ऊंचाई देगा।

हर छात्र को 15 दिन में मिले एनरोलमेंट नंबर: कमिश्नर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम संभाग आयुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी ने संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक ली। उन्होंने हरदा और बैतूल जिले के डीपीसी को निर्देश दिए कि 15 दिन में कक्षा 1 से 8 तक के हर छात्र का एनरोलमेंट नंबर जारी हो। नर्मदापुरम जिले में यह कार्य शत-प्रतिशत पूरा होने पर उन्होंने सराहना की। अन्य जिलों को भी इसी तरह लक्ष्य हासिल करने को कहा। 9वीं से 12वीं तक के नामांकन की समीक्षा में बताया गया कि नर्मदापुरम, हरदा और बैतूल प्रदेश के टॉ-10 जिलों में शामिल हैं। आयुक्त ने डीईओ की तारीफ की। स्कूलों का लगातार निरीक्षण करने और पाई गई कमियों को तुरंत सुधारने के निर्देश दिए। नर्मदापुरम में 99 साइकिलें और 98त्न से ज्यादा पाठ्यपुस्तकें वितरित हो चुकी हैं। हरदा और बैतूल में भी संतोषजनक प्रगति पाई गई। आयुक्त ने चेतावनी दी कि पाठ्यपुस्तक वितरण में लापरवाही पर संबंधित अधिकारियों की दो वेतनवृद्धियां रोकी जाएंगी।

देर रात तक हुआ प्रतिमाओं का विसर्जन

नर्मदापुरम। नवरात्र उत्सव पर दशहरे के दूसरे दिन भी मूर्ति विसर्जन का दौर जारी रहा। जो देर रात तक चला।स्थापना समितियों ने जुलूस, शोभायात्रा निकालकर प्रतिमा विसर्जन के लिए विसर्जन स्थल तक गाजे बाजे के साथ ले जाते नजर आए। नपा ने हर्बल पार्क में मूर्ति विसर्जन के लिए कृत्रिम कुंड बनाया है। जहां पर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।प्रतिमा विसर्जन के चलते नर्मदा के घाटों पर पुलिस बल ओर होम गार्ड का बल तैनात रहा।

नम आंखों से दी मां को विदाई

गंजबासौदा। नवरात्रि पर्व श्रद्धा भाव से मनाया गया। नवरात्रि के अंतिम दिन शहर में झांकी पंडालों में पूजन हवन और कन्याभोज के आयोजन किए। विजयादशमी पर दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। झांकी समितियों ने शहर चल समारोह निकालकर बेतवा नदी में प्रतिमाओं का विसर्जन किया। इस दौरान बेतवा नदी पर क्रेन की मदद से प्रतिमाओं को नदी में विसर्जन कराया। बेतवा पुल पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन नगरपालिका मौजूद रहे। वहीं दशहरे के दूसरे दिन भी दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ।

घाट पर आरती कर किया विसर्जन

सिरोंज। इस बार 10 दिन के उत्साह, उमंग और उल्लास के बाद गुरूवार को मां दुर्गा की विदाई का सिलसिला दिनभर चलता रहा। नवदुर्गा उत्सव समिति की झांकियों में सारी रात माता रानी के भजन और जयकारे गुंजायमान होते रहे। कई स्थानों पर देर रात में ही हवन-पूजन की शुरूआत हो गई थी। जो सुबह तक चलती रही तो कई झांकियों में सुबह से हवन शुरू हुआ जो दोपहर तक चलता रहा। शहर के 80 फीसदी हिस्से में दोपहर तक वैदिक मंत्रोच्चारण और माता रानी के जयकारे ही गूंजते रहे। हवन के उपरांत समिति सदस्य मां दुर्गा की प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले जाते दिखाई दिए। गली, मोहल्ले और चौराहे के रहवासियों और दुकानदारों ने मां को नम आंखों से विदाई दी। समिति सदस्यों ने मां दुर्गा की विदाई के लिए ठेले, लोडिंग ऑटो और टैक्टर-ट्रालियों की व्यवस्था की थी। इन वाहनो में विराजित होकर वे माता रानी की प्रतिमा को लेकर लटेरी रोड पर कैथन डैम के कुंड तक लेकर पहुंचे। यहां जुटने वाले भक्तों ने बच्चों और महिलाओं तादात भी काफी अधिक थी।

जबलपुर में कांछघर दशहरा चल समारोह के दौरान भाजपा और कांग्रेस समर्थक भिड़े

पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर संभाला मोर्चा

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

शहर में देर रात भाजपा और कांग्रेस समर्थक आपस में भिड़ गए, हालात ऐसे बने की हवाई फायरिंग भी कर दी गई। जानकारी मिलते ही जबलपुर एसपी सहित कई थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंचा और हालात पर कंट्रोल करते हुए भीड़ को अलग किया। हालांकि पुलिस अभी फायरिंग होने की पुष्टि करने से बच रही है। घटना रात करीब 1 से 2 बजे के बीच की बताई जा रही है। विधायक लखन घनघोरिया और पूर्व विधायक अंचल सोनकर के समर्थक आपस में आमने-सामने आ गए, जिसके बाद हंगामे की स्थिति बन गई।

दरअसल कांचघर में दशहरा चल समारोह था, कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया और पूर्व भाजपा विधायक अंचल सोनकर के अलग-अलग मंच बने हुए थे। इस बीच चल समारोह शुरू होने के बाद कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया अपने समर्थकों के साथ चुंगी चौकी की ओर पैदल जा रहे थे, वहीं भाजपा के मंच पर पूर्व मंत्री अंचल सोनकर अपने समर्थकों के साथ बैठे थे। इस दौरान वहां एक दुर्गा प्रतिमा पहुंची तो उसे पूजन को लेकर विधायक और पूर्व मंत्री समर्थकों में विवाद हो गया, इस बीच एक व्यक्ति ने हवाई फायर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मारपीट में दोनों पक्षों के कई लोग घायल भी हुए हैं। कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया और पूर्व विधायक अंचल सोनकर ने मौके पर मौजूद भीड़ को शांत रहने की अपील करते रहे।

तेंदुए को भगाने आतिशबाजी के साथ बजा रहे ढोल नगाड़े

कटनी, दोपहर मेट्रो

कटनी के बरही क्षेत्र में पिछले एक महीने से तेंदुए की दहशत बनी हुई है। वन विभाग ने तेंदुए को नगर से बाहर खदेड़ने के लिए शुक्रवार सुबह ढोल-नगाड़े बजाए और आतिशबाजी की। 50 सदस्यीय टीम के चलाए गए इस अभियान के बावजूद तेंदुए का कोई सुराग नहीं मिला है। तेंदुआ नगर सहित ग्रामीण इलाकों में मवेशियों पर हमला कर उनका शिकार कर रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में डर का माहौल है। वन विभाग लगातार तेंदुए को पकड़ने का प्रयास कर रहा है। पहले तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरे लगाए गए थे, जिनमें बकरा भी रखा गया था, लेकिन चालाक तेंदुआ पकड़ में नहीं आया। इसके बाद उसे शहर से बाहर खदेड़ने के लिए यह नया तरीका अपनाया गया। सुबह करीब 8 बजे रेंजर गोविंद नारायण शुक्ला के नेतृत्व में वन विभाग की टीम बरही नगर के खेर माता मंदिर, बड़े तालाब और पानी टंकी के पास पहुंची। यहां ढोल-नगाड़े बजाकर और आतिशबाजी कर तेंदुए को भगाने की कोशिश की गई।

शालेय हैंडबॉल के लिए 8 खिलाड़ी चयनित

नर्मदापुरम। सेमेरिटंस स्कूल के आठ खिलाड़ियों का चयन शालेय हैंडबॉल को संभागस्तरीय टीम में हुआ है। उक्त सभी खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व करेंगे। उक्त मुख्य कोच शाला के खेल प्रशिक्षक विनोद कुमार साहू होंगे। प्रतियोगिता के लिए अनामिका परनामे, मनप्रीत कौर, नैन्सी बैरवा, हर्ष गौर, यशवर्धन ठाकुर, निखिल मीना, श्रेयांश चौहान, स्पर्श यादव का चयन हुआ है। इस उपलब्धि पर शाला संचालन समिति के सदस्यों, प्राचार्य श्रीमती प्रेरणा रावत, डॉ. सचिन खम्परिया, ऑस्कर एरिन मोजेस, विक्रांत खम्परिया, राजेन्द्र रघुवंशी वैशाली तिवारी द्वारा बधाई और आशीर्वाद देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

मेट्रो एंकर

किसानों ने बुलंद की आवाज, बड़ी रैली की तैयारी

गुस्साए किसान बोले-फसल हमारी, भाव तुम्हारा नहीं चलेगा

सीहोर, दोपहर मेट्रो

जिले में किसान अब पूरी ताकत से अपनी आवाज़ बुलंद करने जा रहे हैं। 6 अक्टूबर को भैरुंदा (नसरुल्लागंज) में किसान स्वराज संगठन (संयुक्त किसान मोर्चा) के नेतृत्व में एक विशाल ट्रैक्टर रैली आयोजित की जाएगी। यह रैली केवल एक प्रदर्शन नहीं, बल्कि किसानों के दिलों में पलते आक्रोश की गूंज होगी। फसल हमारी, भाव तुम्हारा, नहीं चलेगा-नहीं चलेगा का नारा लेकर हजारों किसान सरकार तक अपनी मांगें पहुंचाएंगे।

किसानों की सबसे बड़ी और मुख्य मांग यह है कि सोयाबीन और मक्का की खरीदी

भावांतर योजना के तहत नहीं, बल्कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सीधे की जाए। सरकार द्वारा घोषित सोयाबीन का रेट 5328/क्विंटल है। सरकार ने मॉडल रेट पर सोयाबीन का भावांतर देने की घोषणा की है, जबकि मंडियों में यह 3200 से 3500 में बिक रही है। भावांतर योजना केवल रेट और मंडी भाव का अंतर देती है, जिससे किसानों को 500 से 1000 प्रति क्विंटल का सीधा नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसान पूछ रहे हैं, जब मेहनत हमारी है, पसीना हमारा है, तो भाव क्यों कटे-कटे मिल रहे हैं? क्षेत्र में लगातार हुई अतिवृष्टि से फसलें बर्बाद हो गईं। किसानों की हालत यह है कि न खेत में फसल बची और न ही मंडी में सही दाम मिल रहे हैं। किसान संगठन ने मांग उठाई है कि सरकार तत्काल सर्वे कराए और प्रभावित किसानों को मुआवजा एवं बीमा राशि दिलाए।

बालाघाट में गाड़ी की डिग्गी से 25 किलो मांस किया जब्त, आरोपी पर प्रकरण दर्ज

बजरंग दल की शिकायत पर पुलिस ने की मौके पर पहुंचकर कार्रवाई

बालाघाट, दोपहर मेट्रो

बालाघाट में राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एक युवक को शुक्रवार को पकड़ा है। घटना सरेखा रेलवे ओवरब्रिज पर हुई, जहां कार्यकर्ताओं ने महाराष्ट्र के चंगेरा से मांस ला रहे वारासिवनी निवासी सलमान खान नामक युवक को रोका।

कार्यकर्ताओं ने तुरंत पुलिस को बुलाकर आरोपी को मांस सहित उनके हवाले कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष सीतेश ब्रम्हें और उनके कार्यकर्ताओं ने पुख्ता सूचना के आधार पर सलमान को रोका। पकड़े जाने पर आरोपी

सलमान ने मांस को भैंस का मांस बताया। सूचना मिलते ही कार्यकर्ताओं ने एफआरवी 112 को कॉल किया। बताया गया कि सलमान स्कूटी की डिग्गी और एक प्लास्टिक की बोरी में अलग-अलग थैलियों में भरकर मांस ला रहा था। अनुमानित तौर पर यह मांस लगभग 25 किलोग्राम था। पुलिस ने मामले को विवेचना में लेकर कार्यवाही शुरू कर दी है।

तारादेही मार्ग पर दिखा तेंदुआ, टीम को देख झाड़ियों में छिप गया

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के अंतर्गत आने वाले वन परिक्षेत्र के अलावा सामान्य वन परीक्षेत्र के जंगलों में बीते कुछ दिनों से तेंदुए की लगातार उपस्थिति दर्ज की जा रही है, जिससे आसपास के गांवों में भय और चिंता का माहौल बना हुआ है बुधवार रात करीब 9:15 बजे तेंदूखेड़ा-तारादेही मार्ग पर स्थित बहेरिया गांव के समीप अमहा नामक स्थान पर एक तेंदुआ पेड़ पर बैठा देखा गया। राहगीर रजनीश यादव दरौली द्वारा तेंदुए को देखे जाने की पुष्टि की गई है, जिसके बाद वन विभाग की टीम वन परिक्षेत्र अधिकारी श्रेयांश जैन के नेतृत्व में मौके पर पहुंची तब भी तेंदुआ पेड़ पर ही बैठा मिला, इसके बाद निगरानी शुरू की गई। वन परिक्षेत्र अधिकारी ने बताया कि यह तेंदुआ लगभग साढे तीन वर्ष का है। जबलपुर मार्ग, सैलवाड़ा मार्ग तरफ जो तेंदुए हैं, उनकी उम्र अलग है, जिसके कारण ऐसा लगता है कि तेंदूखेड़ा वन क्षेत्र में इनकी संख्या 4 से 5 के लगभग हो सकती है वन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार यह तेंदुआ अपने ही आवास क्षेत्र में विचरण कर रहा है और अभी तक किसी भी प्रकार की मानव पर हमला करने की घटना सामने नहीं आई है। जंगलों में जाने वाले मवेशियों को शिकार जरूर बनाया है हालांकि, इससे पूर्व भी तेंदुए की उपस्थिति सेलवाड़ा मार्ग, 27 मील दमोह-जबलपुर सीमा और तारादेही मार्ग जैसे क्षेत्रों में दर्ज की जा चुकी है।

प्रस्ताव भेजा... जल कर के बकाया पर 50 प्रतिशत छूट की मांगी अनुमति

डिफाल्टरों के 30 करोड़ माफ करने की तैयारी में जुटा निगम

करदाताओं के 50 रुपए भी नहीं छोड़ेगा

सागर, दोपहर मेट्रो

नगर निगम प्रशासन के कई फैसले हैरान करने वाले होते हैं। ऐसा ही एक फैसला अब जलकर को लेकर है। जलकर का 66 करोड़ रुपए बकाया है, जिसपर संबंधित एजेंसी, फर्म और व्यक्ति को 50 प्रतिशत टैक्स छूट प्रदान की जाएगी। बकायादारों (डिफाल्टर) का आधा टैक्स माफ करने का प्रस्ताव बनाकर राज्य शासन की अनुमति के लिए भेजा गया है, जबकि दूसरी तरफ जो नागरिक ईमानदारी से अपना जलकर चुकाते आ रहे हैं, उनपर वसूली की तलवार लटकने वाली है। हालांकि यह वसूली मामूली है। हाल में जलकर पर 50 रुपए प्रतिमाह की बढ़ोतरी की गई है, इसके हिसाब से अग्रिम भुगतान करने वाले नागरिकों से यह बढ़ी हुई राशि वसूल की जाएगी। कर वृद्धि के आधार पर बीते छह माह की राशि वसूल की जाना है।

3500 उपभोक्ता एडवांस में जमा करते हैं जलकर

परिषद की बैठक में नगर निगम ने जलकर पर 50 रुपए बढ़ाए हैं और यह बढ़ी हुई राशि अक्टूबर से वसूलना शुरू हो जाएगी। शहर के करीब 3300-3500 उपभोक्ता हैं जो एकसाथ 12 माह की राशि जमा कर देते हैं। उन्हें उम्मीद थी कि इस वित्तीय वर्ष में उनका जलकर चुकता है और बचे हुए 6 माह की बढ़ी हुई राशि प्रत्येक कनेक्शन पर 600 रुपए उनसे नहीं लिए जाएंगे।वहीं निगम इन पर भी वसूली निकालने की बात कह रहा है।

डिफाल्टरों को मिलेगी एक माह की मोहलत

निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने बताया कि शहर में जलकर की बड़ी राशि बकाया है। राजस्व न मिलने से स्थितियां बिगड़ रहीं हैं। 66 करोड़ रुपए वसूलने के लिए कई नोटिस दिए गए। कुर्की की चेतावनी दी गई। अब एक अंतिम प्रयास इंदौर नगर निगम की तर्ज पर 50 प्रतिशत ऑफर देने का कर रहे हैं। प्रपोजल में डिफाल्टरों को 1 माह का समय दिया जाएगा कि वह जलकर और अधिभार मिलाकर कुल राशि का आधा जमा कर सकेंगे और आधी राशि माफ हो जाएगी। इसके लिए प्रपोजल भोपाल भेजा जा चुका है और मंजूरी का इंतजार हो रहा है।

चल समारोह में निकली झांकियां

सागर. दशहरा पर नगर में निकला माँ अंब का चल समारोह आकर्षक विद्युत साज सज्जा के साथ और बैंड बाजों की धुन के बीच भक्तों के जयकारों ने पूरा माहौल भक्ति मय बना दिया। कटरा तीनबत्ती पर कांग्रेस और भाजपा के पंडालों में चल समारोह में निकल रही झांकियों का स्वागत किया। इसके साथ ही अन्य संगठनों ने भी पंडाल लगाए थे। देर शाम रजाखेड़ी में रावण के पुतले का दहन किया गया।

हर घर से एक मुट्ठी अनाज का संग्रह

तेंदूखेड़ा। ग्राम इमलीडोल में जल संरक्षण और नदी पुनर्जीवन के उद्देश्य से ग्रामीणों ने एक अनोखी और प्रेरणादायक पहल की शुरुआत की है। गौरैया नदी को फिर से प्रवाहित करने के संकल्प के साथ ग्रामीणों ने हर घर से एक मुट्ठी अनाज संग्रह करने की जनभागीदारी मुहिम शुरू की है। इस अभियान में महिलाओं और पुरुषों की संयुक्त समिति सक्रिय रूप से घर-घर जाकर अनाज एकत्र कर रही है। इस अनाज का उपयोग भविष्य में श्रमदान, जलस्रोतों की सफाई, मेड़बंदी और अन्य जल संरक्षण गतिविधियों के लिए किया जाएगा। गांव में वर्तमान में 92 कुएं और 16 तलैया मौजूद हैं, लेकिन बारिश के बाद भी इनमें पानी ठहर नहीं पाता। गौरैया नदी भी वर्ष भर सूखी रहती है, जिससे किसानों और आमजन को जल संकट का सामना करना पड़ता है। इसी गंभीर स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों ने सामूहिक प्रयास से समाधान का रास्ता चुना है। 2 अक्टूबर 2025 को आयोजित ग्राम सभा में इस अभियान की रूपरेखा तय की गई थी, जिसमें ग्राम के प्रमुख नागरिकों - भगवान सिंह, सरपंच नवल झारिया, भूरे सिंह, लक्ष्मण सिंह, ब्रजेश सिंह, गोपाल सिंह, रीना गोंड, कुशम रानी, वविता, पूजा, सम्पत बाई, कौशल्या बाई, नीरज कुमार, जमना यादव, झुमकलाल सहित अनेक ग्रामीणों ने भाग लिया।

बागेश्वर धाम से चमके गायक अमित धुर्वे

महेश्वर। प्रदेश के आदिवासी गायक अमित धुर्वे की जिंदगी का रुख बागेश्वर धाम से जुड़ने के बाद पूरी तरह बदल गया है। कभी ट्रेनों और छोटे आयोजनों में भजन गाकर अपने परिवार का गुज़ारा करने वाले अमित ने अपने कठिन संघर्ष के दिनों में कभी यह सोचा भी नहीं होगा कि उनकी आवाज़ इतनी दूर तक पहुंचेगी। अमित धुर्वे को असली पहचान तब मिली जब बाबा बागेश्वर धाम के प्रमुख सरकार धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने उन्हें धाम के प्रमुख मंच पर गाने का अवसर दिया। धाम में गाए गए उनके भजन सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। उनकी मधुर और शक्तिशाली आवाज़ ने लोगों के दिलों को छू लिया और देखते ही देखते उनकी लोकप्रियता में इजाफा होने लगा। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो और भजनों ने अमित को एक नई पहचान दिलाई। उनकी संगीत क्षमता और भावपूर्ण गायन को देखकर अब कई बड़े संगीत उद्योग और आयोजक उनके संपर्क में हैं।

सुबह गुरैया नदी में प्रतिमा का हुआ विर्सजन

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

दशहरा नगर में धूमधाम के साथ मनाया गया। शाम 6 बजे से रिमझिम बारिश के बीच चल समारोह निकला। क्षेत्र में स्थित देवी मंदिरों में विधिवत हवन, पूजन एवं कन्या भोज का आयोजन श्रद्धा और भक्ति भाव से संपन्न हुआ। विभिन्न स्थलों पर कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोज कराया गया। दुर्गा समितियों द्वारा भंडारों का भी भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इसके अलावा जनप्रतिनिधी भी शामिल हुए।

समापन अवसर पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें मातारानी की आकर्षक झांकियों के साथ सजे वाहनों ने नगर भ्रमण किया। दुर्गा समिति के सदस्यों द्वारा सजी हुई झांकियां, बैंड-बाजे, डीजे और भक्तिमय

वातावरण ने पूरे नगर को धार्मिक रंग में रंग दिया। आसपास के गांवों से हजारों श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए नगर पहुंचे। शोभायात्रा में श्रीराम भक्त केवट अखाड़ा व बजरंग अखाड़ा के कलाकारों ने अपने हैरत अंगेज कारनामों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए शोभायात्रा निर्धारित क्रम में पुलिस थाना के सामने गल्ला मंडी मैदान में पहुंचकर एकत्रित हुई।

कर्नाटक में बंधक बने मजदूर घर लौटे

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

कर्नाटक में बंधक बने तेंदूखेड़ा ब्लॉक के मजदूरों को बंधक से मुक्त कराने में प्रशासन कामयाब हो गया है इसके लिए कर्नाटक पुलिस प्रशासन की मदद ली गई लेकिन अभी भी इन मजदूरों को रोजगार दिलाने के नाम पर कर्नाटक भेजने वाला एजेंट व ठेकेदार पर कार्रवाई नहीं हुई है मामला दमोह जिले के तेन्दूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत मोहड का है जहां से 20 मजदूर जो रोजगार की तलाश में एजेंट की मदद से काम की तलाश में कर्नाटक भेजें गए थे जहां कर्नाटक राज्य के बीजापुर जिले में कार्य के दौरान बंधक बना लिए गए थे, इनमें महिला ,पुरुष और बच्चे शामिल थे लेकिन अब सकुशल अपने घर लौट आए हैं जहां जबलपुर रेलवे स्टेशन पर उन्हें लेने ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव सहायक सचिव सहित दमोह से

प्रशासनिक टीम तथा परिजन पहुंचे। इस अवसर पर परिजनों सहित सभी लोग भावुक व प्रसन्न नजर आए। ज्ञात हो कि कर्नाटक में बंधक बनाए गए मजदूरों द्वारा एक वीडियो बनाकर ग्राम के एक व्यक्ति को भेजा था जिसके द्वारा उस वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया और शासन प्रशासन से मदद की गुहार लगाई जहां वीडियो वायरल होते ही प्रशासन हरकत में आया और वहां के जिला प्रशासन से संपर्क बंधक मजदूरों को कर्नाटक पुलिस की मदद से घर भेजा गया।

भू-माफिया बेलगाम.... झलौन क्षेत्र में वन व राजस्व भूमि पर अतिक्रमण, प्रशासन मौन

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

वन परिक्षेत्र झलौन में वन और राजस्व विभाग की कीमती शासकीय भूमि पर भू-माफिया द्वारा लगातार अवैध अतिक्रमण किए जाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। पी.एफ. कक्ष क्रमांक 149 के अंतर्गत झलौन से रहली तथा तारादेही सड़क मार्ग की दोनों ओर की भूमि पर वर्षों से अतिक्रमण किया जा रहा है। यही नहीं, इन कब्जाधारियों द्वारा उक्त भूमि को ऊँचे दामों में अन्य लोगों को बेचकर अवैध रूप से भारी मुनाफा कमाया जा रहा है।

राजस्व मंडल तेजगढ़ के अंतर्गत पटवारी हल्का क्रमांक 19, झलौन के खसरा नंबर 382 एवं 383 में भी यही स्थिति बनी हुई है। वर्षों से इन बहुमूल्य जमीनों पर अतिक्रमण कर खुलेआम विक्रय किया जा रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि वन विभाग एवं राजस्व विभाग की अनदेखी के चलते अतिक्रमणकारियों के हौसले दिन-प्रतिदिन बुलंद होते जा रहे हैं। अब यह स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि अतिक्रमणकारियों की नजर शासकीय भवनों के समीप खाली पड़ी जमीनों पर भी जा पहुँची

है। खसरा नंबर 382 में पिछले वर्ष निर्मित प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र भवन के सामने प्रस्तावित वाहन पार्किंग क्षेत्र की भूमि पर भी अवैध रूप से खुदाई कर निर्माण की तैयारी की जा रही है। सूचना मिली है कि उक्त भूमि को भी बेचने के लिए खरीदारों की तलाश की जा रही है। जनहित एवं शासकीय हितों की रक्षा हेतु लोगों ने मांग की है कि जिला प्रशासन, वन विभाग तथा राजस्व विभाग इस मामले में तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करें। यदि शीघ्र अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो यह क्षेत्र आने वाले समय में शासकीय योजनाओं एवं जनसेवा कार्यों के लिए अनुपयोगी हो जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वृद्ध आश्रम में बुजुर्गों को फल भेंट कर किया सम्मान

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

नगर में वरिष्ठ नागरिक गृह में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धाजन दिवस मनाया गया इस दौरान निवासरत सभी बुजुर्गों का सम्मान किया गया! कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की पूजा अर्चना करके किया गया कार्यक्रम में निवासरत बुजुर्गों में से भजन की प्रस्तुति मांगीलाल बकोरिया एवं रुक्मणीबाई प्रजापति द्वारा दी गई अतिथियों के लिए स्वागत गीत की प्रस्तुति कुसुम महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा दी गई स्वागत की बेला में सभी मंचासीन अतिथियों द्वारा निवासरत बुजुर्गों का पुष्पमाला और फल भेंट कर स्वागत सत्कार किया गया! शासन के निर्देशानुसार बुजुर्गों के लिए आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता जैसे-केरम, कौड़ी, शतरंज, मेहंदी, रंगोली, कुर्सी दौड़ आदि में विजेता बुजुर्गों को मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथियो द्वारा पुरस्कृत किया गया!

संस्था कि सचिव श्रीमती श्वेतल जैन द्वारा संस्था एवं परियोजना के बारे में संक्षिप्त जानकारी अतिथियों के समक्ष रखी गई

कार्यक्रम में विशिष्टअतिथियों मे से संतोष पारीक, मनमोहन अग्रवाल, राजा तिवारी, कार्यक्रम के अध्यक्ष राधेश्यामजी पटेल एवं मुख्य अतिथि प्रेमशंकर वर्मा (विधायक सिवनी मालवा) द्वारा कार्यक्रम को संबोधित किया गया! विधायक द्वारा आने वाले शीत ऋतु को देखते हुए बुजुर्गों को गर्म पानी से नहाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक 2 गीजर भेंट किए गए कार्यक्रम का संचालन अधीक्षक शाम वनकर द्वारा किया गया!

इस दौरान प्रवीण कुमार अवस्थी दीपक दीक्षित डॉ राजेशजी रघुवंशी विजय पटेल, जगदीश पाटिल, श्रुति चौधरी सीओ जनपद पंचायत रघुवीर राजपूत, डॉक्टर शेखर रघुवंशी के के मालवीय डॉ मोहन गुर्जर, डॉ रश्मिजी सोनी, पूनम राजपूत, योगेश मोहाले, राजा तिवारी, नीरज तिवारी (नगर मंडल अध्यक्ष भाजपा) श उमेशजी गुर्जर, रविंद्र राजपूत (समग्र अधिकारी जनपद पंचायत सिवनी मालवा), श्रीमती रेखा शर्मा, तुषार लोवंशी की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया!

मेट्रो एंकर — विश्व पशु दिवस : पशुओं के सरंक्षण के लिए लाएं जागरुकता

बेजुबानों के प्रति अच्छा व्यवहार हमारी जिम्मेदारी

विशाल रजक, तेंदूखेड़ा

पशुओं और इंसानों का पुराना नाता रहा है, कोई पशुओं को व्यवसायिक लाभके लिए पालता रहा है कोई जानवरों को आवागमन की सुविधा के लिए उपयोग किया जाता रहा है तो कोई अपने मनपसंद पशुओं को शौकिया रूप में पालता है। आज का दिन पशु प्रेमियों के लिए काफी महत्वपूर्ण है। हर साल 4 अक्टूबर को विश्व पशु दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य पशुओं के कल्याण और संरक्षण को बढ़ावा देना है। जानकारों का कहना है कि कई लोग बेजुबानों के प्रति बहुत बुरा व्यवहार करते हैं इसलिए लोगों को यह बताना काफी जरूरी है कि हमारा जीवन काफी हद तक पशु-पक्षियों पर निर्भर करता है। इस दिन पशुओं के कल्याण और उनके अधिकारों को लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाती है ताकि लोगों में पशुओं के कल्याण के लिए जागरूकता बढ़े। आज के दिन कई जगह कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगें, जिसमें पशुओं की विभिन्न प्रजातियों को विलुप्त होने से बचाने और उनके संरक्षण के बारे में विचार किए जाते हैं। पशुओं में भी भावनाएं होती है, उन्हें समझना, पशुओं की भावनाओं का सम्मान करना भी आज पशु दिवस मनाने का उदेश्य है।

ये बोले पशुप्रेमी

पालतू जानवर हमें बिना शर्त प्यार और सहारा देते हैं, जिससे हमारे जीवन में खुशी आती है। समुदाय के जानवरों के साथ सम्मान से पेश आएं और उनकी देखभाल कर सुरक्षा प्रदान करें।
-मनीष मोदी पशु प्रेमी तेन्दूखेड़ा

पारिस्थितिकी तंत्र के लिए पशु अत्यंत आवश्यक हैं क्योंकि वे पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देते हैं, पोषक तत्वों के चक्रण में मदद करते हैं, जिससे जैव विविधता को बनाए रखने में मदद मिलती है।
-शिवानी पटेल तेंदूखेड़ा

शिकारी जीव शिकार की संख्या को नियंत्रित करते हैं, शाकाहारी जीव पौधों के विकास को प्रभावित करते हैं, इनके मरने के बाद भी शरीर से निकलने वाले पोषक तत्व मिट्टी को फिर से समृद्ध करते हैं।
-कंचन साहू तेन्दूखेड़ा

वीरु यादव कहते हैं कि शिकारी और शाकाहारी जीव पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाए रखते हैं, शिकारी शिकार की आबादी को नियंत्रित करते हैं, जबकि चरने वाले जीव पौधों के विकास के तरीकों को प्रभावित करते हैं
-वीरु यादव तेंदूखेड़ा

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY DELHI
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संस्थान)
(An autonomous Institute under the aegis of Ministry of Education (Shiksha Mantralaya), Govt.of India)
Plot No. FA7, Zone P1, GT Karnal Road, Delhi-110036, INDIA
दूरभाष/Tele: +9111-33861000, 1001,1005, वेबसाइट/Website : www.nitdelhi.ac.in

F.No.: NITD/01/Admn/606/2025-26 Dated: 30.09.2025

विज्ञापन सं.: 08/2025
ADVT.NO. : 08/2025
गैर-संकाय पदों की भर्ती/RECRUITMENT OF NON-TEACHING POSITIONS

भारतीय नागरिकों से विभिन्न गैर-संकाय पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। पदों से संबंधित विस्तृत जानकारी जैसे कि शैक्षिक योग्यताएं, अनुभव, आयु सीमा, आरक्षण नियम, भर्ती का तरीका (डायरेक्ट) तथा रिक्तियों की संख्या आदि संस्थान की वेबसाइट www.nitdelhi.ac.in पर उपलब्ध है।/ Online applications are invited from eligible Indian National for recruitment to various Non-Teaching Positions. Detailed information regarding the posts, such as Educational Qualifications, Experience, Upper Age Limit, Reservation Norms, Mode of Recruitment (Direct), and the Number of Vacancies, is available on the Institute Website: www.nitdelhi.ac.in

ऑनलाइन आवेदन पोर्टल 01.10.2025 से 22.10.2025 (23.55 बजे रात्रि) तक खुला रहेगा। निर्धारित तिथि एवं समय के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।/ The online Application Portal will remain open from 01.10.2025 to 22.10.2025 (23.55 hrs) After this deadline, the submission link will be disabled.

CBC RO No - 21275/12/0005/2526 Sd/- (Registrar, NIT Delhi)

खुद सुनाई सक्सेस स्टोरी

मेंटर युवराज सिंह की सलाह से बदल गई अभिषेक की जिंदगी

नई दिल्ली , एजेंसी

एशिया कप 2025 में भारतीय टीम की खिताबी जीत में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की अहम भूमिका रही। अभिषेक ने 7 मैचों में 314 रन बनाए और उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। अभिषेक शर्मा के करियर को निखारने में टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह की अहम भूमिका रही है। युवराज ने ही अभिषेक को ट्रेन किया है और उन्हें भारतीय टीम के लिए तैयार किया है। अब अभिषेक शर्मा ने बताया है कि कैसे युवराज सिंह ने मुश्किल दौर में उन्हें संभाला और बड़ा लक्ष्य दिखाया। अभिषेक और युवराज का रिश्ता गुरु-शिष्य जैसा है। अभिषेक ने कहा कि एक समय ऐसा था

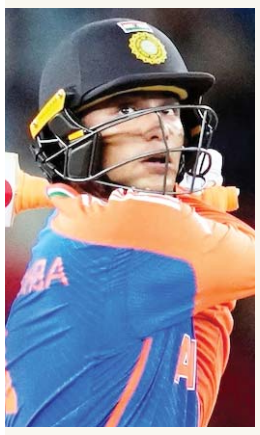

जब उनका प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं था और आईपीएल में वह लगातार प्लेइंग-11 से बाहर रहते थे।

अभिषेक शर्मा ने ब्रेकफास्ट विद चैंपियंस में गौरव कपूर से कहा, मैं उनका (युवराज) बहुत आभारी हूं। लॉकडाउन के दौरान हम उनके घर पर कैम्प लगाते थे। मेरे अलावा शुभमन गिल, प्रभसिमरन सिंह और अनमोलप्रीत उसमें शामिल होते थे। असल में मुझे इसकी जरूरत थी। हम फ्लाइट से जा रहे थे और मैंने पाजी (युवराज) से पूछा कि क्या हम कुछ दिनों के लिए कैम्प लगा सकते हैं। उन्होंने तुरंत ही हां कह दिया था। सच कहूं तो मैं उस समय मैं थोड़ा संघर्ष कर रहा था। मैं आईपीएल में भी निरंतर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा था और टीम की एकादश में भी नहीं था। शुभमन पहले से ही भारत के लिए खेल रहा था। मैं खुद से कहता था कि थोड़ा लेट हो गया हूं, मैं पीछे रह गया हूं।

आईपीएल के लिए तैयार नहीं कर रहा...

अभिषेक शर्मा कहते हैं, फिर पाजी ने मुझे लंच के लिए बुलाया। उन्होंने कहा कि तुम्हें स्टेट टीम के लिए या आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) के लिए तैयार नहीं कर रहा हूं, मैं तुम्हें भारतीय टीम के लिए रेडी कर रहा हूं। पाजी ने कहा कि तुम्हें भारत के लिए मैच जिताने हैं, इसे लिखकर रख लो। अगले दो-तीन साल में तुम इंडिया टीम में रहोगे। युवराज की यह बात सुनकर अभिषेक शर्मा का पूरा नजरिया बदल गया और आत्मविश्वास वापस आया। अभिषेक ने कहा कि जब उनके मेंटर युवराज सिंह ने उनसे यह बातें कहीं, तो उन्हें यकीन हो गया कि उनमें क्षमता है। अभिषेक कहते हैं, अगर वह कह रहे हैं कि मैं इंडिया के लिए तैयार हूं, तो इसका मतलब है कि उन्हें मुझ पर भरोसा है। इसके बाद मुझे लगा कि मेरा लक्ष्य बड़ा है। मुझे भारत के लिए खेलना है और मैच जिताने हैं।

शर्मा ने यह भी किया खुलासा

अभिषेक शर्मा ने खुलासा किया कि सनराइजर्स हैदराबाद में हेड कोच डेनियल विटोरी और कप्तान पैट कमिंस का खिलाड़ियों को लेकर अलग-अलग अंदाज है। विटोरी खिलाड़ियों से पूछते हैं कि क्या उन्हें किसी खास गेंदबाजों को खेलने में परेशानी है, ताकि उसी हिसाब से रणनीति बनाई जा सके। वहीं कप्तान पैट कमिंस बल्लेबाजों को पूरी आजादी देते हैं। अभिषेक शर्मा ने कहा, अगर हमारी टीम का स्कोर 50/6 हो, तो कमिंस की सोच होती है कि अगला बल्लेबाज निडर होकर बल्लेबाज़ी करे। कमिंस चाहते हैं कि बल्लेबाज शॉट खेलते हुए आउट हो। उन्हें कोई दिक्कत नहीं है, अगर टीम 100 रन पर ऑलआउट हो जाए, लेकिन वो 160-170 का स्कोर नहीं चाहते हैं। बल्लेबाज को छह गेंदों में छह छक्के मारने का मन है, तो वो मारो। कमिंस चाहते हैं कि टीम इसी तरह की क्रिकेट के लिए जानी जाए।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान आज

कोहली-रोहित की वापसी तय! वनडे कप्तानी पर भी होगी चर्चा

नई दिल्ली , एजेंसी

टीम इंडिया के दिग्गज क्रिकेटर्स रोहित शर्मा और विराट कोहली काफी समय से क्रिकेटिंग एक्शन से दूर हैं। रोहित-कोहली ने भारत के लिए आखिरी मुकाबला आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में खेला था। फिर दोनों दिग्गजों ने इंडियन प्रीमियर लीग (में अपनी-अपनी टीम्स का प्रतिनिधित्व किया। कोहली और रोहित ने इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इसके बाद शुभमन गिल को टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया।

रोहित शर्मा और विराट कोहली टी20 इंटरनेशनल को पहले ही अलविदा कह चुके थे। दोनों खिलाड़ियों ने 2024 में भारत की वर्ल्ड कप जीत के बाद टी20 इंटरनेशनल से संन्यास की घोषणा की थी। ऐसे में ये दोनों खिलाड़ी केवल एकदिवसीय प्रारूप के लिए ही उपलब्ध हैं। अब कोहली और रोहित ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का हिस्सा हो सकते हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड शनिवार को वनडे और टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा करेगा। कोहली और रोहित को वनडे टीम में शामिल किए जाने की पूरी संभावना है। भारत की ऑस्ट्रेलिया दौरा अक्टूबर-नवंबर में होना है, जिसमें पहले तीन एकदिवसीय मैच 19 अक्टूबर से होंगे। इसके बाद पांच मैचों की टी20 सीरीज 29 अक्टूबर से 8 नवंबर तक होगी।

भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे का शेड्यूल

19 अक्टूबर- पहला वनडे, पर्थ
23 अक्टूबर- दूसरा वनडे, एडिलेड
25 अक्टूबर- तीसरा वनडे, सिडनी
29 अक्टूबर- पहला टी20, कैनबरा
31 अक्टूबर- दूसरा टी20, मेलबर्न
2 नवंबर- तीसरा टी20, होबार्ट
6 नवंबर- चौथा टी20, गोल्ड कोस्ट
8 नवंबर- पांचवां टी20, ब्रिस्बेन

रोहित बने रहेंगे वनडे टीम के कप्तान?

सेलेक्शन कमेटी की बैठक में वनडे कैप्टेंसी पर भी चर्चा होगी। रोहित को वनडे टीम का कप्तान बनाए रखा जाएगा या नहीं, ये देखने वाली बात होगी। समझा जाता है कि चयनकर्ता इस मामले पर रोहित शर्मा से सीधे बात करने की योजना बना रहे हैं। रोहित और कोहली के अलावा चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम के ज्यादातर खिलाड़ियों के वनडे सीरीज के लिए चुने जाने की उम्मीद है। एक बड़ा सवाल ये भी है कि क्या श्रेयस अय्यर की टी20 टीम में वापसी होगी? चूंकि सेलेक्टर्स टी20 सीरीज के लिए 15 से ज्यादा खिलाड़ियों का चयन कर सकते हैं, इसलिए श्रेयस अय्यर के अलावा यशस्वी जायसवाल की भी टी20 टीम में जगह बन सकती है। ये दोनों खिलाड़ी एशिया कप टीम में जगह बनाने से चूक गए थे। चयनकर्ताओं को यह भी तय करना है कि क्या अभिषेक शर्मा को वनडे टीम में लाया जाए या नहीं।

सना मीर ने पार की बेशर्मी की हद!

विवादित बयान के बाद अब सफाई देती नजर आईं पाकिस्तान की पूर्व कप्तान

दुबई , एजेंसी

महिला वनडे विश्व कप 2025 में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान एक बड़ी विवादित घटना सामने आई। पुरुषों के एशिया कप में भारतीय टीम से मुंह की खाने के बाद भी पाकिस्तान अपनी ओछी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। गुरुवार को महिला वनडे विश्व कप के मुकाबले में पाकिस्तान की पूर्व कप्तान सना मीर ने ऐसा बयान दिया, जिसके बाद नए विवाद का जन्म हो गया। मौजूदा समय में टूर्नामेंट में कमेंट्री कर रहीं सना मीर ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी पीओके को आजाद कश्मीर कहकर पुकारा, जिससे सोशल मीडिया पर जबरदस्त बवाल खड़ा हो गया। यह मामला इतना बढ़ गया कि आईसीसी तक के रडार पर है। हालांकि, अभी तक आईसीसी ने इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश के मैच में सना मीर ने पाकिस्तान की बल्लेबाज नतालिया परवेज का जिक्र करते हुए कहा कि, फातिमा सना बहुत युवा टीम की कप्तानी कर रही हैं। हां, उन्होंने क्वालिफायर जीता है, लेकिन इन खिलाड़ियों में से कई बिल्कुल नई हैं। नतालिया, जो कश्मीर से आती हैं...आजाद कश्मीर से...वह लाहौर में यादा क्रिकेट खेलती हैं। उन्हें अपनी यादातर क्रिकेट खेलने के लिए लाहौर आना पड़ता है। यानी उन्होंने पहले नतालिया को कश्मीर से आने वाली खिलाड़ी बताया, लेकिन तुरंत ही खुद को सुधारते हुए विवादित और आपत्तिजनक बयान दे डाला और आजाद कश्मीर कह दिया। यही शब्द बवाल की असली वजह बना।

मामला क्यों संवेदनशील बना?

आजाद कश्मीर शब्द का इस्तेमाल पाकिस्तान की ओर से लंबे समय से किया जाता रहा है। भारत पूरे जम्मू-कश्मीर, जिसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) भी शामिल है, को अपना अभिन्न और संप्रभु हिस्सा मानता है। भारत सरकार के मुताबिक, पीओके पर पाकिस्तान का कब्जा अवैध है और इसे तुरंत खाली किया जाना चाहिए। भारत ने लगातार इस क्षेत्र को अपने भूभाग के रूप में स्वीकार किया है और संसद ने इस संबंध में प्रस्ताव भी पारित किया है। भारत पाकिस्तान से पीओके से अपनी सैन्य और प्रशासनिक मौजूदगी हटाने की मांग करता है और इस मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान के लिए कूटनीतिक बातचीत को प्राथमिकता देता है। ऐसे में विश्व कप जैसी बड़ी प्रतियोगिता के दौरान सना मीर का इस शब्द का उपयोग करना सीधे-सीधे एक राजनीतिक संदेश माना गया। यही कारण है कि सोशल मीडिया पर उन्हें कठघरे में खड़ा किया गया।

सोशल मीडिया पर बवाल

सोशल मीडिया पर तो सना मीर का जबरदस्त विरोध हो रहा है। कई यूजर्स ने इसे राजनीतिक बयानबाजी बताया और आईसीसी से कार्रवाई की मांग की। भारत में तो खासकर इस टिप्पणी को लेकर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। लोग कहने लगे कि सना मीर ने खेल को राजनीति से जोड़कर खेल भावना को ठेस पहुंचाई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) खेल में राजनीति को लाने का सख्त विरोध करता है। हालांकि, पाकिस्तानी अपनी शर्मनाक बयानबाजी से बाज नहीं आ रहे हैं। पुरुषों के एशिया कप में विवादित और आपत्तिजनक इशारे के बाद अब महिला वनडे विश्व कप में भी पाकिस्तान ने अपनी ओछी हरकत नहीं छोड़ी है। विवाद बढ़ता देख सना मीर ने सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट लिखकर सफाई दी। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य केवल नतालिया के संघर्षों को सामने लाना था, न कि किसी को आहत करना या किसी तरह की राजनीतिक टिप्पणी करना।

नतालिया की प्रोफाइल का हवाला

सना मीर ने अपने बचाव में नतालिया परवेज की एक प्रोफाइल का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया, जो कि एक नामी क्रिकेट वेबसाइट का दिखाई पड़ता है। हालांकि, ये ओरिजनल है या फोटोशॉप इसकी पुष्टि नहीं है। उन्होंने कहा कि कमेंट्री से पहले वह खिलाड़ियों पर रिसर्च करती हैं और उसी रिसर्च के दौरान उन्हें यह जानकारी मिली थी। सना ने लिखा, मैं खिलाड़ियों की जानकारी के लिए जो स्रोत इस्तेमाल करती हूं, उसी का स्क्रीनशॉट भी संलग्न कर रही हूं। संभव है कि अब उसमें बदलाव किया गया हो, लेकिन मैंने जो कहा वह वहीं से लिया था।

शंघाई मास्टर्स : बेन शेल्टन की हार

एटीपी टूर फाइनल में पहुंचने का मौका गंवाया

नई दिल्ली । बेन शेल्टन को शंघाई मास्टर्स के दूसरे दौर में पूर्व विश्व नंबर 7 डेविड गॉफिन से 2-6, 4-6 से शिकस्त झेलनी पड़ी। शुक्रवार को शेल्टन एटीपी टूर फाइनल में अपनी उम्मीदों को मजबूत करने का मौका गंवा बैठे। शेल्टन को अगस्त में यूएस ओपन के तीसरे दौर में बाएं कंधे की चोट के कारण मुकाबले से हटना पड़ा था। इसके बाद वह पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। थोड़ी धीमी गति से खेलते हुए बेन शेल्टन ने 22 अनफोर्स्ड एरर किए, जबकि गॉफिन ने 11 अनफोर्स्ड एरर किए। गॉफिन ने इसी साल की शुरुआत में मियामी में हुए एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में कार्लोस अल्काराज को शिकस्त दी थी।

डेविड गॉफिन ने शेल्टन के खिलाफ खेले गए मुकाबले में तीनों ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ एटीपी हेड-टू-हेड सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। 34 वर्षीय गॉफिन दो बार शंघाई के क्वार्टरफाइनल में स्थान बना चुके हैं। अब रविवार को वह तीसरे दौर में गेब्रियल डायलो को चुनौती देंगे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे शेल्टन

दूसरी ओर, टोरंटो में अपने करियर का पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले 22 वर्षीय शेल्टन ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। उनके नाम 2025 में अब तक 37-19 का टूर-लेवल रिकॉर्ड है। एटीपी टूर के अनुसार, वह एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में 3,720 अंकों के साथ छठे स्थान पर शंघाई पहुंचे थे। हालांकि, आने वाले दिनों में अमेरिकी खिलाड़ी सातवें स्थान पर मौजूद एलेक्स डी मिनौर (3,355 अंक) और आठवें स्थान पर लोरेंजो मुसेट्टी (3,345 अंक) को पीछे छोड़ सकते हैं।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

सोहा अली खान : कॉर्पोरेट जॉब से बड़ी स्क्रीन तक

दिलचस्प सफर के साथ सफल अभिनेत्री के रूप में बनाई जगह

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोहा अली खान का सफर दूसरे कलाकारों की तुलना में थोड़ा अलग और दिलचस्प रहा है। फिल्मों में आने से पहले उनका जीवन बिलकुल सामान्य था। उन्होंने कॉर्पोरेट में भी काम किया और उस समय उनकी सैलरी लगभग दो लाख रुपये सालाना थी। मुंबई जैसे शहर में खुद के पैरों पर खड़े होने की जद्दोजहद और फिल्मों की दुनिया में कदम रखने के फैसले ने सोहा की जिंदगी को एक नया मोड़ दिया। आज वह एक सफल अभिनेत्री, लेखक और पॉडकास्टर हैं। सोहा अली खान का जन्म 4 अक्टूबर 1978 को नई दिल्ली में हुआ था। वे भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान मंसूर अली खान पटौदी और बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री शर्मिला टैगोर की बेटी हैं। इस परिवार की विरासत बहुत बड़ी है क्योंकि उनके पिता और दादा दोनों ही भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रह चुके हैं। वहीं उनकी मां बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। ऐसे में सोहा को बचपन से ही कला और खेल दोनों का माहौल मिला। उनके बड़े भाई सैफ अली खान भी बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता हैं, और उनकी भाभी करीना कपूर खान भी फिल्मी दुनिया की स्टार हैं।

फिल्मों से नहीं की करियर की शुरूआत

फिल्मी बैकग्राउंड होने के बावजूद भी सोहा ने अपने करियर की शुरुआत फिल्मों से नहीं की। उन्होंने अपनी पढ़ाई ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से की और इसके बाद लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अंतरराष्ट्रीय संबंधों में मास्टर डिग्री हासिल की। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने मुंबई में एक कॉर्पोरेट जॉब की। इस नौकरी में उनकी सैलरी सालाना लगभग दो लाख रुपये थी। उस समय उन्होंने मुंबई के एक रूम का किराया भी खुद दिया, जो महीने का 17,000 रुपये था। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि उस वक्त उनके लिए कॉर्पोरेट जॉब में पैसे कमाना ठीक था, लेकिन उन्हें फिल्मों का आकर्षण काफी ज्यादा था। इसके बाद उन्होंने फिल्मों की तरफ रुख किया और साल 2004 में बॉलीवुड में शाहिद कपूर के साथ फिल्म दिल मांगे मोर से डेब्यू किया। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा सफल नहीं रही, लेकिन सोहा ने हार नहीं मानी।

मेट्रो बाजार

केंद्र सरकार ने टेक्सटाइल के लिए पीएलआई आवेदन का बढ़ाया समय

नई दिल्ली । केंद्र ने उद्योग जगत के हितधारकों की उत्साहजनक प्रतिक्रिया को देखते हुए शुक्रवार को वस्त्र उद्योग के लिए पीएलआई योजना के तहत नए आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि को इस वर्ष दिसंबर के अंत तक बढ़ाने का फैसला लिया है। वस्त्र मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, आवेदन पोर्टल अब 31 दिसंबर, 2025 तक खुला रहेगा, जिससे संभावित निवेशकों को इस योजना में भाग लेने और लाभ उठाने का एक और अवसर मिलेगा। यह समय सीमा बढ़ाने का निर्णय अगस्त 2025 में शुरू हुए

लेटेस्ट इनविटेशन राउंड में मैन-मेड फाइबर (एमएमएफ) परिधान, एमएमएफ फैब्रिक और टेक्निकल टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त होने के बाद लिया गया है। इच्छुक आवेदक अपने प्रस्ताव आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से जमा कर सकते हैं। बयान में कहा गया है कि एप्लीकेशन विंडो को फिर से ओपन करना पीएलआई योजना के तहत उद्योग की निरंतर निवेश क्षमता का सीधा प्रमाण है, जो घरेलू कपड़ा विनिर्माण में बढ़ती बाजार मांग और विश्वास को दर्शाता है। एमएमएफ परिधान, एमएमएफ फैब्रिक और देश में टेक्निकल टेक्सटाइल उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कपड़ा क्षेत्र को आकार और क्षमता प्रदान करने और प्रतिस्पर्धी बनाने के उद्देश्य से सितंबर 2021 में 10,683 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ कपड़ा उद्योग के लिए पीएलआई योजना को मंजूरी दी गई थी।

भारत मजबूत आर्थिक विकास पथ पर, अब सबसे बड़ा आर्थिक केंद

नई दिल्ली। भारत मजबूत आर्थिक विकास की राह पर है, जिसे मैक्रोइकॉनॉमिक स्थिरता, आत्म-निर्मित वित्तपोषण और मजबूत वित्तीय क्षेत्र का समर्थन प्राप्त है, यह बात भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व उप गवर्नर माइकल देबाब्रत पात्रा ने शुक्रवार को कही। चौथे कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव के दौरान आईएएनएस से बातचीत में पात्रा ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी भारत उच्च विकास दर बनाए रखने के लिए अच्छी स्थिति में है।

पात्रा ने बताया कि भारत की अर्थव्यवस्था को कम मुद्रास्फीति, संकुचित चालू खाता घाटा, प्रबंधनीय कर्ज स्तर और बड़ी विदेशी मुद्रा भंडार जैसी विशेषताएं मजबूत कर रही हैं। उन्होंने कहा, ये सभी संकेत मैक्रोइकॉनॉमिक स्थिरता के हैं, और इसे बनाए रखने के लिए अधिकारियों की स्पष्ट प्रतिबद्धता है। यह स्थिरता उच्च विकास की नींव डालती है और वैश्विक प्रभावों जैसे टैरिफ से भारत को सुरक्षित रखती है। पात्रा ने 8 प्रतिशत से अधिक जीडीपी विकास की दिशा में भारत की प्रगति पर भरोसा जताया और कहा कि यह रुझान 2021 से पिछले पांच वर्षों में पहले ही दिखाई दे चुका है। उन्होंने कहा, पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत विकास हुआ, जो सामान्यतः मौसमी गिरावट मानी जाती है। साल के बाकी हिस्से में विकास और मजबूत होने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत का आत्मनिर्भर निवेश मॉडल और वित्तीय क्षेत्र की मजबूती, जिसमें शुद्ध गैर-निष्पादित संपत्ति लगभग शून्य है, दीर्घकालिक विकास को सहारा देने वाले मुख्य कारक हैं। पात्रा ने भारत की बाहरी स्थिरता पर भी जोर दिया, उन्होंने संकुचित चालू खाता और वर्तमान में दुनिया के चौथे सबसे बड़े विदेशी मुद्रा भंडार का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि ये कारक, निरंतर व्यापार वार्ता और निर्यात-केंद्रित नीतियों के साथ मिलकर भारत को वैश्विक चुनौतियों जैसे टैरिफ से निपटने में मदद करेंगे।

12 की उम्र में श्वेता तिवारी ने की थी सिर्फ 500 रुपये के लिए नौकरी

नई दिल्ली । टीवी से अपने करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। एक्ट्रेस ने टीवी पर तो छाप छोड़ी ही, लेकिन अब सीरीज और फिल्मों में अपना दबदबा बना रही हैं। शनिवार को एक्ट्रेस अपना 45वां जन्मदिन मनाया। एक्ट्रेस की पर्सनल से लेकर प्रोफेशनल लाइफ सुर्खियों में रही है। एक्ट्रेस ने 500 रुपये से कमाना शुरू किया और आज लाखों कमा रही हैं। श्वेता तिवारी को सबसे पहले 1999 में आए शो %कलीरे% में देखा गया था, जिसके बाद सीरियल %कसौटी जिंदगी की% ने एक्ट्रेस की दुनिया बदल दी, क्योंकि एक्ट्रेस प्रेरणा बनकर घर-घर छा गई। प्रेरणा और अनुराग की जोड़ी आज भी याद की जाती है। श्वेता तिवारी ने खुद इस बात का खुलासा किया था कि पहले सीरियल की शूटिंग लगातार 72-72 घंटे होती थी। घर जाने का समय नहीं मिलता था और पे चेक भी 30 का नहीं, बल्कि 45 दिन का मिलता था। श्वेता तिवारी ने 12 साल की उम्र से कमाना शुरू कर दिया था, क्योंकि उनका परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। अपने परिवार की मदद करने के लिए एक्ट्रेस ने 12 साल की उम्र में ट्रैवल एजेंसी में काम किया।

44 साल से बन रहा सत्य का अभयारण्य

नई दिल्ली, एजेंसी। सत्य का अभयारण्य थाईलैंड के पटाया में स्थित एक विशाल लकड़ी का मंदिर है, जो पूरी तरह से लकड़ी से बना है और थाई, हिंदू और बौद्ध धर्म की मान्यताओं को दर्शाता है। थाई व्यवसायी लेक विरियाफान द्वारा डिजाइन किया गया, यह मंदिर अयुत्या साम्राज्य की कला और शिल्प कौशल का एक अद्भुत उदाहरण है और आगंतुकों को शांतिपूर्ण और आध्यात्मिक वातावरण प्रदान करता है। पूरा ढांचा सागौन की लकड़ी से बना है, जिसकी जटिल कारीगरी देखने लायक है। मंदिर में हिंदू और बौद्ध देवताओं की मूर्तियां भी हैं। यह न केवल एक मंदिर है, बल्कि पारंपरिक शिल्प कौशल और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और नैतिकता के बारे में सीखने का एक स्थान भी है। यह मंदिर पिछले कई वर्षों से निर्माणाधीन है और अभी भी अधूरा है। दरअसल, सत्य का अभयारण्य नामक विशाल लकड़ी का मंदिर 1981 से निर्माणाधीन है और अभी भी अधूरा है, जो लकड़ी से बना दुनिया का सबसे बड़ा महल बनाने के संस्थापक लेक विरियाफ़ान के सपने का हिस्सा है। यह मंदिर निर्माण के बावजूद पर्यटकों के लिए खुला है और इसमें थाई, हिंदू और बौद्ध धर्मों से संबंधित पौराणिक कथाओं की नक्काशी की गई है।

मॉरीशस में सीजेआई बीआर गवई

बुलडोजर से नहीं कानून से संचालित होता है भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने कहा कि भारतीय न्याय व्यवस्था बुलडोजर के शासन से नहीं, बल्कि कानून के शासन से संचालित होती है। मॉरीशस में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बुलडोजर जस्टिस की निंदा करने वाले अपने ही फैसले का उल्लेख किया। कानून के शासन का सिद्धांत और भारत के सुप्रीम कोर्ट की ओर से उसकी व्यापक व्याख्या पर प्रकाश डालते हुए सीजेआई गवई ने कहा, इस फैसले ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि भारतीय न्याय व्यवस्था बुलडोजर के शासन से नहीं, बल्कि कानून के शासन से संचालित होती है। जस्टिस गवई मॉरीशस की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। बुलडोजर जस्टिस मामले में दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने माना कि कथित अपराधों को लेकर अभियुक्तों के घरों को गिराना कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार करता है, कानून के शासन का उल्लंघन करता है और संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत आश्रय के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है।

रोटी मांगने वालों पर चली गोलियां पीओके में जारी है विरोध-प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं, जहां जनता अपने हक की मांगों को लेकर सड़कों पर उतरी है। इन प्रदर्शनकारियों के खिलाफ शहबाज शरीफ सरकार और पाकिस्तानी सेना द्वारा दमन की कार्रवाई की जा रही है, जिसमें अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। पीओके की जनता पानी, बिजली, आटा और चावल जैसी बुनियादी चीजों में सब्सिडी तथा टैक्स में राहत की मांग कर रही है, लेकिन उन्हें गोलियों से छलनी किया जा रहा है।

तालिबान-भारत के रिश्तों में नया मोड़, यह दोनों देशों के बीच पहला औपचारिक दौरा

तालिबानी मंत्री मुत्ताकी का भारत दौरा पाकिस्तान की रणनीति को लगा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी

अगले हफ्ते भारत और अफगानिस्तान के संबंधों में एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ने वाला है। तालिबान सरकार का कोई मंत्री पहली बार भारत का आधिकारिक दौरा करेगा। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी अगले हफ्ते नई दिल्ली आने वाले हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (ह्स्ट्र) द्वारा 9 से 16 अक्टूबर तक उनके यात्रा प्रतिबंध हटाए जाने के बाद संभव हो पाया है। यह दौरा इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि आज तक भारत और तालिबान सरकार के बीच कोई औपचारिक राजनीतिक दौरा नहीं हुआ है।

इससे पहले मई महीने में विदेश मंत्री एस. जयशंकर और मुत्ताकी के बीच फोन पर बातचीत हुई थी। यह संपर्क 1999-2000 के बाद पहला था, जब वाजपेयी सरकार में विदेश मंत्री जसवंत सिंह ने कंधार विमान अपहरण कांड के दौरान तालिबान के तत्कालीन विदेश मंत्री वकील अहमद मुत्तावकिल से बातचीत की थी। इससे पहले, अफगानिस्तान के उपमंत्री हमदुल्ला जाहिद ने हाल ही में भारत का दौरा किया और नई दिल्ली में आयोजित फार्मास्यूटिकल्स और हेल्थकेयर प्रदर्शनी में भाग लिया। उन्हें भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव के समकक्ष माना जाता है। इसके अलावा, भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी भी इस साल की शुरुआत में दुबई में मुत्ताकी से मिले थे।

पीओके में उबाल भारत की बढ़त

डिफेंस एक्सपर्ट ने पीओके की मौजूदा स्थिति का भी जिक्र किया। वहां अवामी एक्शन कमेटी की अगुवाई में लोग सड़कों पर उतरकर पाकिस्तान सरकार और सेना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मांग है कि विधानसभा की सीटों का बंटवारा निष्पक्ष हो, प्राकृतिक संसाधनों का फायदा वहीं के लोगों को मिले और विकास के काम किए जाएं। महाजन ने कहा कि पीओके के लोग अब भारत के कश्मीर से तुलना कर रहे हैं। भारत के कश्मीर में जहां पर्यटन और विकास तेजी से बढ़ रहा है, वहीं पीओके में बुनियादी सुविधाओं तक का अभाव है। यही वजह है कि वहां असंतोष उबाल पर है।

इसलिए अहम है मुत्ताकी का भारत दौरा

अफगानिस्तान में पहली तालिबान सरकार से पहले और पहली और दूसरी तालिबान सरकार के बीच में भारत ने अफगानिस्तान के साथ बाकी देशों की तरह ही संपर्क रखा लेकिन दोनों तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी। मौजूदा तालिबान सरकार से संपर्क और संबंध गहराता जा रहा है। और अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मुताकी का प्रस्तावित दौरा इसी की कड़ी है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है जब भारत ने चाबहार पोर्ट के माध्यम से अफगानिस्तान को मानवीय सहायता लगातार भेजी है और पिछले महीने आए भूकंप के बाद भी भेजी। यह भारत की ओर से अफगान जनता के लिए सहयोग का स्पष्ट संदेश है।

मुजफ्फरनगर में मारा गया 18 मुकदमों वाला 1 लाख का इनामी

मुजफ्फरनगर, एजेंसी

यूपी के मुजफ्फरनगर में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ में एक लाख का इनामी बदमाश ढेर हो गया। मुठभेड़ में मारे गए बदमाश के खिलाफ 18 मुकदमें दर्ज थे। उसके पास से बाइक, रिवाल्वर और पिस्टल बरामद हुई है। लूट की ज्वेलरी भी बरामद की गई है। आरोपी मेहताब जनपद शामली का रहने वाला है। मुठभेड़ बुढाना कोतवाली क्षेत्र में हुई। उधर, संभल में भी पुलिस की बाइक सवार लुटेरों से मुठभेड़ हुई है, इसमें लुटेरा तसब्बुर पुलिस की गोली से घायल हो गया। एक हेड कांस्टेबल भी लुटेरों की गोली से घायल हुआ है। गिरफ्तार लुटेरे के कब्जे से बाइक, तमंचा और लूटे गए सोने के कुंडल बरामद हुए हैं।

यूपी पुलिस का एक और एनकाउंटर

सहारनपुर में भी मुठभेड़

सहारनपुर में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई है इसमें 25 हजार रुपये का इनामी बदमाश नदीम उर्फ छोटा गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना थाना फतेहपुर क्षेत्र की है. शुक्रवार शाम पुलिस छुटमलपुर हाइवे कट के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो संदिग्ध युवक दिखाई दिए. पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी और भागने लगे। पीछा करने पर उनकी बाइक फिसलकर गिर गई। इसके बाद भी बदमाशों ने दोबारा पुलिस पर गोली चलाई. पुलिस की जवाबी कार्रवाई में हिस्ट्रीशीटर नदीम को गोली लगी और उसे दबोच लिया गया । उसका एक साथी मौके से फरार होने में कामयाब हो गया। फरार बदमाश की तलाश में पुलिस लगातार कॉम्बिंग कर रही है। एसपी देहात सागर जैन ने घटना की पुष्टि की है।

अवैध शराब दुकान मामला: जांच के नाम पर खानापूर्ति

शराब माफिया के इशारे पर आयोग को गुमराह कर रहे भोपाल कलेक्टर, आबकारी अधिकारी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

राजधानी के पॉश इलाके की अरेरा कॉलोनी में आवासीय भूखंड पर चल रही सोम ग्रुप की अवैध शराब दुकान को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। इस संबंध में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने एक्शन लिया था। आयोग ने कलेक्टर और आबकारी आयुक्त से जांच प्रतिवेशन मांगा, लेकिन कलेक्टर और आबकारी अधिकारी आयोग के सामने पेश नहीं हुए। उनकी तरफ से जो रिपोर्ट भेजी गई है वह सवालों के घेरे में आ गई है। क्योंकि इस जांच प्रतिवेशन में स्थानीय रहवासियों के कोई बयान ही नहीं लिए गए। इस अवैध शराब मामले में कांग्रेस ने प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि

रहवासियों की बार-बार शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई। आखिरकार निराश होकर रहवासियों को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तक जाना पड़ा, जिसने प्रशासन को नोटिस देकर फटकार लगाई। लेकिन आज भी शराब माफ़िया 'सोम ग्रुप' का दबदबा कायम है और प्रशासन उनकी जेब में रह कर काम कर रहा है। 28 जुलाई 2025 को आयोग के सदस्य प्रियांक कानूनगो की पीठ ने इस मामले में मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 12 के अंतर्गत संज्ञान लिया था। राज्य सरकार को निर्देशित किया था कि भोपाल के जिला मजिस्ट्रेट को नोटिस जारी कर शिकायत की जांच कराकर 15 दिनों में कार्रवाई प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। एक महीने तक प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठा रहा। इसके बाद आयोग 19 अगस्त 2025 को स्मरण पत्र भी भेजा। इस पत्र को भी कलेक्टर ने दबाकर रखा। आयोग ने इसको गंभीर लापरवाही माना और 3 अक्टूबर को मानव अधिकार आयोग के दिल्ली स्तिथ केंद्रीय कार्यालय में आवश्यक प्रतिवेदन सहित व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश पारित किया था जिसके बावजूद जिला प्रशासन से कोई उपस्थित नहीं हुआ।

मेट्रो एंकर साझा किया नया वीडियो, पेशे से सिंगर और सामाजिक कार्यकर्ता हैं सीएम फडणवीस की पत्नी

स्किन टाइट ड्रेस में ट्रोल हुई अमृता, साड़ी में आकर दिया जवाब

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने ट्रोल करने वालों का करारा जवाब दिया है। पिछले हफ्ते मुंबई में जूहू बीच पर सफाई के एक कार्यक्रम में अमृता फडणवीस स्किन टाइट ड्रेस में दिखी थीं। इस कार्यक्रम में उन्होंने गणेशोत्सव के फैली गंदगी को साफ किया था लेकिन सोशल मीडिया पर उनके आउटफिट सवाल खड़े करके ट्रोल किया गया था। अमृत फडणवीस ने इस विवाद पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। सोशल मीडिया पर मचे बवंडर के बीच उनके कपड़ों पर सवाल खड़े करने वालों को अमृता फडणवीस ने नए वीडियो से जवाब दिया है। जिसमे वे साडी में दिखाई दे रही हैं।

भैरव धाम पहुंचीं अमृता

अमृता फडणवीस साड़ी पहनकर पालघर में स्थित श्री नाकोड़ा भैरवधाम पहुंचीं। वहां पर उन्होंने महातीर्थ के प्रेरणादायी राष्ट्रसंत आचार्य श्री चंद्रानन सागर सूरीश्वर

महाराज जी के सान्निध्य में दर्शन सागर पुरस्कार वितरित किए। अमृता फडणवीस ने अपनी पोस्ट में लिखा लिखा है कि यह पुरस्कार पिछले 20 वर्षों से विविध क्षेत्रों में लोगों के उल्लेखनीय योगदान के लिये प्रदान किए जा रहे है। उन्होंने लिखा है कि अहिंसा,अपरिग्रह, प्राणीदया जैसे तत्त्व विश्व को सिखानेवाला जैन धर्म हमे सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। अमृता ने अपनी पोस्ट जय जिनेन्द्र ! के साथ सामाप्त की है। नाकोड़ा भैरव दर्शन धाम दो स्थानों पर पाया जाता है। मुख्य नाकोड़ा जैन तीर्थ राजस्थान के बाड़मेर जिले में स्थित है, जो तीर्थंकर पार्श्वनाथ और संरक्षक देवता नाकोड़ा भैरव के लिए प्रसिद्ध है।

सामाजिक कार्यों में सक्रिय

46 साल की अमृता फडणवीस पेशे से सिंगर और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वह फडणवीस के साथ 2005 में विवाह बंधन में बंधी थी। वह 2014 में महाराष्ट्र के इतिहास की सबसे कम उम्र की प्रथम महिला भी बनी थीं। वे एक प्रशिक्षित शास्त्रीय गायिका भी हैं। पढ़ाई सिंबायोसिस लॉ स्कूल से की है और एक्सिस बैंक में उच्च पद पर कार्य कर चुकी हैं। उन्होंने 15 अगस्त के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ झंडारोहण में भाग लिया था।

भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले यूनुस के आर्मी चीफ वकार आएंगे दिल्ली

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश में जबसे तख्तापलट हुआ है और शेख हसीना की सरकार गिराने के बाद मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार के मुखिया बने हैं, तब से वो लगातार भारत के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। उनकी बयानवाजी की वजह से भारत-बांग्लादेश के रिश्तों में भी कड़वाहट आ गई है। इस बीच बांग्लादेश के आर्मी चीफ जनरल वाकर-उज-जमां नई दिल्ली के दौरे पर आ सकते हैं।

जनरल वकार-उज-जमान इसी महीने भारत दौरे पर आ सकते हैं। वह भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के साथ मुलाकात करेंगे। वह संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सैनिक भेजने वाले देशों के लिए आयोजित एक सम्मेलन में भी शामिल होंगे। यह दो दिवसीय सम्मेलन 14 अक्टूबर को नई दिल्ली में आयोजित होगा। गौरतलब है कि बांग्लादेश के सेना प्रमुख का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564